आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/कार्तिक कृष्ण पक्ष संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 94 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 अक्टूबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
31 अधिकतम
23 न्यूनतम

Page-7

राहुल की दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा के पीछे असली कहानी क्या है?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अचानक दक्षिणी अमेरिका के चार मुल्कों की यात्रा चौंकाने वाली है। इसके पहले वे थाईलैंड की कई मर्तबा यात्रा कर चुके लेकिन इसे सभी ने उनकी निजी यात्रा मान लिया। इसी तरह अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा को लेकर भी कोई सवाल नहीं उठे लेकिन उनकी दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा सभी कुछ अलग है। यह इसलिए नहीं क्योंकि वे भारत की धरती के बाहर जाकर भारत के लोकतंत्र को खतरे में बताते हैं। यह तो उनका स्थाई शगल ही बन चुका है। भाजपा भले ही चीखती रहे कि नेता प्रतिपक्ष के नाते उन्हें जेड प्लस से बढ़कर (ASL) सिक्युरिटी मिली है फिर वे अपनी सुरक्षा की अनदेखी करके वहां क्यों गए। हालांकि, उनके तथाकथित परिपक्व रवैये से वैसे तो किसी को हैरत नहीं होती। लेकिन उनकी दक्षिण अमेरिका की यात्रा के पीछे छुपे मकसद से उठते सवालों ने सभी को चौंकाया है। भारत सरकार से लेकर भाजपा तक इसकी टोह लेती फिर रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान परदे के पीछे क्या कुछ पका है।

विदेश यात्रा के दौरान 18 से 20 सितंबर तक ब्यूनसआयर्स (अर्जेंटीना) में एक सम्मेलन हुआ जिसे प्रोग्रेसिव अलायंस ने आयोजित किया। यह दुनिया के 140 राजनीतिक दलों का एक समूह है, जिसे जॉर्ज सोरोस का समर्थन प्राप्त है, जो भारत सहित इन मुल्कों में वामपंथी विचारों को आगे बढ़ाने, भारत में मोदी और भाजपा की सरकार की जगह वामपंथ समर्थक सरकार की स्थापना के काम में जुटे हैं। सूत्रों की मानें तो विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मदद से भारत में पनपती देशी मल्टीनेशनल कंपनियों का एजेंडा भी इसके पीछे छुपा है। यानि सरकार बदलकर इन्हें किनारे करके विदेशी मल्टीनेशनल के लिए स्पेस बनाने की योजना इसमें निहित है। अमेरिकी उद्योगपति जार्ज सोरस परदे के पीछे रहकर प्रोग्रेसिव एलायंस (पीए) के जरिए जिन देशों में अपना दखल रखते हैं उनमें अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी, ब्रिटेन की लेबर पार्टी तथा भारत की कांग्रेस पार्टी पर उनका विशेष फोकस है।

पीए का मकसद इन सारे देशों में ऐसी सरकार की स्थापना है जो जार्ज सोरोस के रिमोट से संचालित हों। भारत से इस बैठक में तीन लोग शामिल हुए। इनमें सैम पित्रोदा जो कभी राजीव गांधी के मित्र माने जाते थे और अब राहुल गांधी को राजीव गांधी से भी ज्यादा समझदार करार देते हैं। दूसरे हैं तमिलनाडू के कांग्रेस सांसद जोथिमणि सेन्निमलाई व तीसरे पुष्पराज देशपांडे जो कांग्रेस यानि राहुल गांधी के प्रमुख राजनीतिक सालहकार के रूप में काम करते हैं। वे भाजपा के विवेकानंद ट्रस्ट की तर्ज पर समृद्ध भारत फाउंडेशन भी चलाते हैं। सूत्रों की माने तो पीए के सम्मेलन में इन लोगों ने शिरकत की। सैम पित्रोदा ने सम्मेलन के साथ ही काफी वक्त सवॉय होटल में जॉर्ज सोरोस से जुड़े प्रमुख लोगों से मुलाकात में बिताया, जहां उन्होंने भारत में मोदी सरकार से जुड़े मुद्दों पर बात की। जाहिर सी बात है कि पीए में बातचीत का प्रमुख एजेंडा हर देश से दक्षिणपंथी सरकारों को हटाना है, जिसमें भारत से भाजपा और खासतौर पर नरेंद्र मोदी सरकार। पित्रोदा ने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद वे मोदी सरकार को हटाकर भारत में वामपंथी-समाजवादी सरकार स्थापित नहीं कर सके। भारत में बने सोरोस समर्थित संगठन समृद्ध भारत की चर्चा बाद में करेंगे।

सोरोस के मददगार संगठन

जॉर्ज सोरोस की दक्षिण अमेरिका की कोलंबिया, पेरू, चिली और मेक्सिको में बहुत मजबूत उपस्थिति है। जबकि ब्राज़ील में सोरोस से जुड़े संगठनों में कॉनेक्टास डायरिटोस ह्यूमनोस, फंडाकाओ गेटुलियो वर्गास, बाओबा फंड, फंडो ब्रासील डे डायरिटोस ह्यूमनोस आदि संस्थाएं उनकी मददगार हैं। कोलंबिया में डिजस्टिसिया, फोरो नेशनल पोर कोलंबिया, सिम्प्लिसिका, अफ्रोडेस, ब्यूनावेंटुरा चैंबर ऑफ कॉमर्स, सेंटर फॉर अफ्रोडायस्पोरिक स्टडीज, मानोस विजिबल्स फाउंडेशन तथा पेरू में एक्सियोन एंडिना और चिली में स्यूदादानिया इंटेलिजेंट जैसे जार्ज सोरोस के मददगार संगठन हैं। वर्तमान में सोरोस टीमें कोलंबिया, पेरू और चिली में बेहद सक्रिय हैं और नेपाल, बांग्लादेश तथा श्रीलंका की तरह जेन जेड जैसे विरोध के जरिए सत्ता पलट की मुहिम में जुटे हैं। वर्तमान में पेरू में राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे के खिलाफ सोरोस समर्थित जेनरेशन जेड विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। दीना पेरू में एक मध्यमार्गी दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार चला रही हैं, जो सोरोस को पसंद नहीं है। स्थानीय लोगों की माने तो इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे जॉर्ज सोरोस का हाथ है।

दोपहर मेट्रो इनसाइड स्टोरी
राजेश सिरोठिया

राहुल और मोटर साइकिल

इस यात्रा में राहुल के मोटर साइकिल पर दिए गए भाषण का वीडियो वायरल हो रहा है और लोग इसे लेकर तरह-तरह की बात कर रहे हैं, लेकिन जो दक्षिणी अमेरिका के देशों का इतिहास जानते हैं उन्हें चे ग्वारा की जरूर याद दिलाई होगी। अर्जेंटीना में जन्मे चे ग्वारा घनघोर वामपंथी थे। उन्होंने कई दक्षिण अमेरिका देशों की मोटर साइकिल से यात्रा करके साम्यवादी क्रांति की कोशिश की। इसी तरह अभी कुछ दिनों पहले ही राहुल गांधी ने भी बिहार में भी मोटर साइकिल पर घूमकर खुद को चे ग्वारा बताने और जताने की कोशिश की।

राहुल को बुलाने का मकसद ?

इन देशों में राहुल गांधी को आमंत्रित करने का मकसद यही था कि उन्हें समझाया जा सके कि तख्ता पलट का टूलकिट कैसे काम करता है। इसका उन्हें पीआर अभ्यास भी कराया जाए। राहुल गांधी ने कोलंबियाई सीनेट के अध्यक्ष लिडिओस गार्सिया से मुलाकात की, जिन पर चुनाव में धोखाधड़ी का आरोप है। वह सोशलिस्ट इंटरनेशनल से जुड़े एक वामपंथी समाजवादी राजनेता हैं, जो पीए का पूर्ववर्ती है। कांग्रेस सोशलिस्ट इंटरनेशनल की भी सदस्य है। जब राहुल गांधी 30 सितंबर को कोलंबिया में थे, उसी समय एलेक्स सोरोस न्यूयॉर्क में कोलंबियाई उपराष्ट्रपति फ्रांसिस मार्केज़ से मिल रहे थे। उन्होंने 24 सितंबर को कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति जुआन मैनुअल सैंटोस से भी मुलाकात की। अब सवाल यह है कि क्या सोरोस ने राहुल गांधी से भी मुलाकात की? राहुल की हाल की यात्रा के दौरान जार्ज सोरोस से मुलाकात की पुष्टि नहीं हो सकी है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या राहुल गांधी को इस जेनरेशन जेड टूलकिट को समझाने के लिए वहां भेजा गया था? लेकिन राहुल गांधी की वर्तमान यात्रा एक निश्चित पैटर्न का अनुसरण करती प्रतीत होती है, क्योंकि उनकी यात्रा सोरोस के महत्वपूर्ण प्रभाव वाले इलाकों में हुई। अब यह देखना बाकी है कि वह भारत में कौन सी नई रणनीतियां या दृष्टिकोण लेकर आते हैं। राहुल गांधी चिली भी गए जहां के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट हैं, जो चिली के इतिहास में सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति हैं और पूर्व छात्र नेता के साथ ही और जॉर्ज सोरोस के कठपुतली कहे जाते हैं। वे फ्रंटे एम्प्लियो (ब्रॉड फ्रंट) प्रगतिशील गठबंधन के सदस्य हैं।

न्यूज विंडो

पाक सेना ने किया था 4 लाख महिलाओं से रेप

नई दिल्ली, एजेंसी। सयुंक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में महिलाओं की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर भारत ने पाकिस्तान पर कड़ा हमला बोला। 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की सेना ने करीब 4 लाख महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था। पर्वथनेनी हरिश ने यह बयान उस समय दिया जब यूएनएससी में महिला, शांति और सुरक्षा को लेकर खुली बहस चल रही थी। यूएनएससी में यह बैठक हर साल होती है। इस बैठक में देश में महिलाओं की शांति स्थापित करने में भूमिका और उनकी सुरक्षा को लेकर चर्चा होती है।

हैदराबाद में महंगा सौदा, एक एकड़ जमीन 177 करोड़ में

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की हैदराबाद रियल एस्टेट ने एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रायदुर्गम नॉलेज सिटी में हुई जमीन की नीलामी ने सभी को हैरानी में डाल दिया। टीजीआईआईसी ने इस नीलामी का आयोजन किया था, जहां एक एकड़ जमीन 150 करोड़ से भी ज्यादा की नीलाम हुई। इस नीलामी में शहर की कई जानी-मानी रियल एस्टेट कंपनियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले कोकापेट के नियोपोलिस पंथम में 100 प्रति एकड़ से जमीन नीलाम हुई थी। इस दौरान जमीन 177 करोड़ रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से नीलाम हुई। करोड़ रुपये में खरीद ली।

चिराग ने मांगी 40 सीटें

पटना, एजेंसी। लोकजन शक्ति पार्टी रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने विधानसभा चुनाव में एनडीए से 40 सीटों की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक इसी वजह से सीट शेयरिंग को अंतिम रूप नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा उनकी जनसुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर से नजदीकी होने की बात भी सामने आ रही है। इस बीच, दिल्ली में एनडीए की बड़ी बैठक होने जा रही है। उपेंद्र कुशवाहा पटना से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

आज का कार्टून

आगर मालवा में बैकफुट पर प्रशासन, दोबारा होगा सर्वे

बर्बाद हुई फसल पर 'जीरो' नुकसान लिखने से बवाल

आगर मालवा, एजेंसी

जिले में फसल नुकसान पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। प्रशासन ने हजारों हेक्टेयर में बर्बाद फसलों को रिपोर्ट में निरंक यानी शून्य दिखा दिया। दस्तावेजों के अनुसार 512 गांवों में 1.32 लाख हेक्टेयर सोयाबीन फसलें पीला मोजेक वायरस, कीट प्रकोप और बारिश की मार से चौपट हुईं, पर राहत रिपोर्ट में कोई नुकसान दर्ज नहीं किया गया। अब किसानों, कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कलेक्टर ने दोबारा सर्वे के आदेश जारी किए हैं। पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार ने दावा किया है कि जिले में फसलों के वास्तविक नुकसान को प्रशासन ने राहत सर्वे रिपोर्ट में निरंक यानी शून्य दिखाकर भोपाल भेज दिया। जबकि वास्तविकता यह है कि जिले के 512 गांवों में सोयाबीन फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। उन्होंने कुछ आधिकारिक दस्तावेज साझा किए हैं जिनमें साफ देखा जा सकता है कि आगर, सुसनेर, नलखेड़ा, कानड़, बड़ौद और सोयतकलां तहसीलों में व्यापक नुकसान दर्ज था, फिर भी रिपोर्ट में हर जगह निरंक लिखा गया। राहत राशि का कॉलम भी खाली छोड़ दिया गया।

मुआवजा नहीं तो जूतों की माला

इस खुलासे के बाद किसानों में भारी नाराजगी है। कई गांवों में किसान खेतों में खड़ी सूखी फसलों के बीच प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि सर्वे दलों ने खेतों का निरीक्षण तो किया, लेकिन असल रिपोर्ट में सच को छिपा दिया गया। इससे मुआवजे की पूरी प्रक्रिया थम गई है। कांग्रेस ने इसे फर्जी सर्वे करार देते हुए प्रशासन पर किसानों से धोखा करने का आरोप लगाया है। सुसनेर विधायक भैरों सिंह परिहार 'बापू' ने कहा अगर बीजेपी नेता किसानों को मुआवजा दिला देते हैं तो हम उनका फूलमाला से स्वागत करेंगे, वरना किसान जूते-चप्पलों की माला पहनाएंगे। वहीं, भाजपा नेता भी अब सक्रिय हो गए हैं। आगर विधायक मधु गहलोत और जिला अध्यक्ष ओम मालवीय ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर किसानों को भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर सर्वे दोबारा कराया जाएगा। कलेक्टर प्रीति यादव ने भी 4 अक्टूबर को पुनः सर्वे के आदेश जारी किए हैं, ताकि किसानों के वास्तविक नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट दोबारा भेजी जा सके।

कफ सिरप मामले में न्यायिक जांच को लेकर जनहित याचिका

छिंदवाड़ा, एजेंसी

जहरीला कफ सिरप पीने से सोमवार रात को एक और बच्चे की मौत हो गई। छिंदवाड़ा निवासी नवीन डेहरिया की डेढ़ साल की बेटी धानी डेहरिया ने नागपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए गठित एक्सपर्ट कमेटी से कराने की मांग की गई है। याचिका लगाने वाले वकील विशाल तिवारी ने कहा है कि आरोपी कंपनी द्वारा बनाई गई सभी दवाओं की बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन पर तुरंत रोक लगाई जाए। केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को देशभर में ऐसी दवाएं में डाय एथिलिन ग्लायकॉल और एथिलिन ग्लायकॉल की जांच कराने का आदेश दिया जाए। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार को ड्रग रिकॉल पॉलिसी और टॉक्सिकोलॉजिकल सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश भी दिए जाएं। मप्र सरकार ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है। भोपाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की बैठक में प्रमुख सचिव संदीप यादव ने बताया कि छिंदवाड़ा में बच्चों की मृत्यु के सभी पहलुओं की गहन जांच की गई। बच्चों के रीनल बायोप्सी रिपोर्ट में पाया गया कि मौत एक्यूट ट्यूबुलर नेक्रोसिस के कारण हुई।

उत्तराखंड में भंग होगा मदरसा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक के लागू होने के बाद प्रदेश में संचालित हो रहे मदरसों की शिक्षा में व्यापक बदलाव आएगा। जल्द ही मदरसा बोर्ड भंग होगा। मदरसों के पाठ्यक्रम की मान्यता प्रदेश के शिक्षा बोर्ड से लेनी होगी। उत्तराखंड देश का पहला ऐसा राज्य बन जाएगा, जहां मदरसा बोर्ड को समाप्त कर अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों को मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जोड़ा गया है। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक 2025 को राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू करने के लिए उत्तराखंड सरकार गैजेट नोटिफिकेशन जारी करेगी। इस विधेयक के लागू होने के बाद मदरसा बोर्ड भंग हो जाएंगे।

मेट्रो एंकर

रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिक चिंतित, गलत हाथों में जाने से रोकना बड़ी चुनौती

एआई ने कुछ ही मिनटों में डीएनए सीक्वेंस बदलकर बना दिए घातक वायरस, जैविक आतंक का खतरा बढ़ने की आशंका

न्यूयॉर्क/बर्मिंघम, एजेंसी

क्या कोई मशीन कभी जीवन की बुनियाद को बदल सकती है? कुछ साल पहले तक यह बात साइंस फिक्शन लगती थी। लेकिन अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) ने इसे हकीकत में बदल दिया है। हाल ही में एक रिसर्च में एआई ने कुछ ही मिनटों में ऐसा किया, जिसे अब तक दुनिया की सबसे एडवांस लैब्स भी मुश्किल से कर पाती थीं। उसने डीएनए सीक्वेंस बदलकर नए वायरस जैसे घातक वेरिएंट बना डाले।

वैज्ञानिक इस रिसर्च से खुश भी हैं और डरे हुए भी। खुश इसलिए, क्योंकि गंभीर बीमारियों में इसकी मदद से दवाइयां आसानी से बन सकेंगी, जबकि निगेटिव पहलू ये है कि गलत हाथ में इस मॉडल के जाने से जैविक आतंक बढ़ सकता है। रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों ने 72 ऐसे प्रोटीन चुने जो किसी न किसी घातक वायरस या टॉक्सिन से जुड़े थे। फिर एआई टूल्स की मदद से इन प्रोटीन के हजारों नए वेरिएंट तैयार किए। इसके बाद उन वेरिएंट को उस सिस्टम से गुजारा गया जिसे बायो सिक्योरिटी स्कैनिंग सिस्टम (BSS) कहते हैं। यह सिस्टम DNA बनाने वाली कंपनियां हर ऑर्डर को जांचने के लिए इस्तेमाल करती हैं। शुरुआत में ज्यादातर खतरनाक वेरिएंट बिना पकड़ में आए ही इस स्क्रीनिंग से निकल गए। हालांकि जब सिस्टम को अपग्रेड किया गया, तो 97 फीसदी खतरनाक वेरिएंट पकड़े भी गए। एआई के कुछ अच्छे पहलू हैं तो कुछ चिंताएं भी पैदा होती है। इस डेटा की निगरानी जिनेवा स्थित इंटरनेशनल बायो सिक्योरिटी एंड बायोसेफ्टी इनिशिएटिव फॉर साइंस कर रहा है।

दुरुपयोग रोकना हो जाएगा मुश्किल

रिसर्च का कुछ हिस्सा साइंस जर्नल में छपा है। उसके मुताबिक, अब एआई की मदद से ध्द्ब या प्रोटीन के नए सीक्वेंस तैयार करना बेहद आसान हो गया है। इस रिसर्च में दुनिया के कुछ बड़े वैज्ञानिक शामिल थे, जैसे माइक्रोसॉफ्ट के साइंटिस्ट एरिक होर्विट्ज, बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के निकोल व्हीलर, टिमोथी विटमैन, बीबीएन के जैकब बील और ट्विस्ट बायोसाइंस के साइंटिस्ट जेम्स डिगन्स। एरिक होर्विट्ज ने कहा, 'यह कोई एक बार का काम नहीं है। जैसे हम अपने मोबाइल या कंप्यूटर को बार-बार अपडेट करते हैं, वैसे ही बायोसिक्योरिटी सिस्टम को भी लगातार बेहतर करना होगा। वरना एआईसे खतरनाक वायरस बनाना मुश्किल नहीं है।' निकोल व्हीलर ने कहा, एआई का इस्तेमाल मेडिसिन और साइंस में बड़ी प्रगति के लिए हो सकता है, लेकिन यह दोधारी तलवार है। अगर सुरक्षा कमजोर रही तो ध्द्ब से बने खतरनाक वैरिएंट का दुरुपयोग रोकना मुश्किल हो जाएगा।

डेटा पब्लिक करने पर एकमत नहीं

रिसर्च का डेटा सार्वजनिक किया जाए या नहीं, अब इस पर घमासान मचा है। कुछ वैज्ञानिक चाहते हैं कि डेटा खुलेआम उपलब्ध हो ताकि और सुधार किए जा सकें। लेकिन एक्सपर्ट डर रहे हैं कि अगर खतरनाक वेरिएंट और उनका डिजाइन इंटरनेट पर आ गया, तो कोई भी गलत व्यक्ति इसका दुरुपयोग कर सकता है। अंत में इस चर्चा को टियर्ड एक्सेस सिस्टम के रूप में खत्म किया गया। टियर्ड एक्सेस सिस्टम यानी सबसे संवेदनशील डेटा सिर्फ चुनिंदा संस्थानों और वैज्ञानिकों को ही दिया जाएगा।

अभी सिर्फ पहला राउंड ही हुआ, नवंबर तक चलेगी काउंसलिंग

फार्मेसी के 20 नए कॉलेजों को मिली मान्यता लेकिन नया सत्र तीन माह तक हो चुका है लेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

फार्मेसी कोर्स ने प्रदेश में 20 नए कॉलेजों को मान्यता तो मिल गई लेकिन नया सत्र तीन माह लेट हो गया है। बढ़ते कॉलेजों की संख्या से जहां सीटें तो बढ़ रही हैं, वहीं एडमिशन प्रक्रिया लंबी खिंचने से छात्रों की पढ़ाई देर से शुरू हो रही है। नवंबर तक काउंसलिंग होने के आसार हैं, जबकि इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी कोर्सों में प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी कर ली गई है। इन कोर्सों के लिए नया सत्र एक सितंबर से सुचारू रूप से शुरू हो चुका है, जबकि फार्मेसी स्टूडेंट्स अब भी काउंसलिंग और सीट अलॉटमेंट का इंतजार कर रहे हैं।

23 से शुरू होगा सीएलसी राउंड

बताया जाता है कि इसके बाद भी जिन विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल पाया है, उनके लिए 23 अक्टूबर से सीएलसी (कॉलेज लेवल काउंसलिंग) राउंड की शुरुआत होगी। यह प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी की जाएगी। यानी कि नवंबर तक फार्मेसी की काउंसलिंग चलती रहेगी, जिससे सत्र की शुरुआत में लगभग तीन महीने की देरी हो चुकी होगी।

प्रवेश की स्थिति

फार्मेसी कोर्स में अब तक महज पहले राउंड के ही एडमिशन पूरे हुए हैं। पहले चरण के तहत बी.फार्मेसी की 14,128 सीटों पर आवंटन हुआ, लेकिन केवल 4,763 विद्यार्थियों ने ही कॉलेजों में प्रवेश लिया। फार्मेसी कोर्स के द्वितीय चरण के लिए 19 सितंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए थे, शुक्रवार को इसकी आखिरी तारीख थी। अब दूसरे चरण की सीट अलॉटमेंट लिस्ट 6 अक्टूबर को जारी की जाएगी। जिन विद्यार्थियों को सीट मिलेगी, वे 16 अक्टूबर तक फीस जमा कर प्रवेश ले सकेंगे।

सेंट्रल लाइब्रेरी में 100 नई किताबें, 14 दिन के लिए घर ले जाने की सुविधा

शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय में 100 से अधिक प्रतियोगी परीक्षा संबंधी पुस्तकों का कलेक्शन लांच किया गया है। इन पुस्तकों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी पुस्तकें शामिल हैं। पुस्तकालय की खासियत यह है कि 600 रुपए वार्षिक सदस्यता शुल्क पर विद्यार्थी न सिर्फ पुस्तकालय में बैठकर अध्ययन कर सकते हैं,

बल्कि किसी भी पुस्तक को 14 दिनों तक घर ले जा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय ग्रंथपाल रत्ना वाधवानी, ग्रंथपाल निशा बातव, मैनेजर रचित मालवीय सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि इस पहल से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और अद्यतन सामग्री सहज उपलब्ध हो सकेगी।

मेट्रो को साउंडप्रूफ करने लाइन से चार मीटर ऊंचाई तक लगेंगे एक्रेलिक बैरियर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स से लेकर हबीबगंज और इसी तरह के आबादी व संवेदनशील क्षेत्रों में मेट्रो साइलेंस मोड में दौड़ेगी। यहां मेट्रो को साउंड प्रूफ करने के लिए लाइन से चार मीटर ऊंचाई तक एक्रेलिक बैरियर लगाए जाएंगे। इससे जब मेट्रो 80 किमी प्रतिघंटा की रतार से दौड़ेगी तो आसपास के क्षेत्रों में न मेट्रो की आवाज पहुंचेगी न इससे कंपन महसूस होगा। गौरतलब है कि मेट्रो को साउंड प्रूफ करने के लिए मेट्रो रेल कारपोरेशन ने अध्ययन कराया था। मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर एस जैसे अस्पताल से शुरू होते हुए, शहर के शांत क्षेत्रों में शामिल साकेत नगर, अल्कापुरी, अरेरा कॉलोनी से होकर गुजरता है। जमीन से करीब 11 मीटर की ऊंचाई पर मेट्रो का एलिवेटेड कॉरिडोर सीधे घरों से नजर आता है। एक्सपर्ट्स का कहना है जब मेट्रो अपनी पुरी रतार यानि 80 से 90 किमी प्रतिघंटा से चलेगी तो इससे कॉरिडोर में कंपन होगा जो आसपास भी महसूस होगा। इससे ही आसपास के निर्माणों को बचाना जरूरी है। मेट्रो चले और शांति भी बनी रहे, इसके लिए तकनीकी स्तर पर टीम काम कर रही है। मेट्रो इस शहर की जीवन रेखा बने, इसके लिए हम संकल्पित है।

ट्रांसपेरेंट शीट लगेगी

मेट्रो की आवाज व कंपन आसपास के क्षेत्रों की शांति भंग न करें, इसके लिए करीब सवा करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। एक्रेलिक बैरियर के लिए ट्रांसपेरेंट शीट का उपयोग किया जाएगा। यानि लोगों को मेट्रो नजर आएगी, लेकिन उसकी आवाज महसूस नहीं होगा।

जीएमसी ई-ऑफिस सॉटवेयर से लैस मध्यप्रदेश का पहला संस्थान बना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सबसे पुराना मेडिकल कॉलेज गांधी मेडिकल कॉलेज अब हाई-टेक हो गया। कॉलेज के डीन कार्यालय, एनएमसी प्रकोष्ठ, स्थापना अनुभाग (राजपत्र), स्टूडेंट सेक्शन और अस्थि रोग विभाग को ई-ऑफिस प्रणाली लैस कर दिया गया है। अब से इसकी सभी फाइलें, पत्राचार और प्रशासनिक कार्य अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होंगे। यह पारदर्शिता और कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए किया गया है। इसके साथ जीएमसी मप्र का पहला संस्थान बन गया, जिसने ई-ऑफिस सॉटवेयर लागू किया। कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. कविता एन सिंह ने कहा कि यह पहल कॉलेज को डिजिटल युग की ओर ले जाने वाला ऐतिहासिक कदम है। बुधवार को कॉलेज के सभी अनुभागों के कर्मियों को सॉटवेयर प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस परियोजना को सफल बनाने में डॉ. आशीष गोहिया, वैभव जैन और अमृता पटेरिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जेपी प्रांगण नो व्हीकल जोन घोषित, अब यहां सिर्फ एम्बुलेंस को अनुमति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जय प्रकाश जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन और सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने अस्पताल प्रांगण को पूर्ण रूप से नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया। अब प्रांगण में सिर्फ एम्बुलेंस और मरीजों को छोड़ने और लेने आने वाले वाहनों के ही प्रवेश करने की अनुमति होगी। सिविल सर्जन कार्यालय ने गुरुवार को इस संबंध में पार्किंग ठेकेदार मेसर्स शर्मा इंटरप्राइजेज को नोटिस दिया है। नोटिस में लिखा है कि जांच के दौरान पार्किंग व्यवस्था अस्त-व्यस्त पाई गई। अस्पताल के प्रांगण में एम्बुलेंस के प्रवेश में परेशानी हो रही है। इस लिए प्रांगण में सिर्फ एम्बुलेंस और मरीजों को छोड़ने और लेजाने वाले वाहनों की ही प्रवेश करने दिया जाए। अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों के वाहन नए भवन के सामने और अरुचि कैंटीन के पीछे सामने आगंतुकों के वाहन खड़ी की जाएं।

रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में आज सुदेश भोंसले देंगे गीतों की प्रस्तुति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महेश मेलोडी मूवमेंट एम-3 ग्रुप की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा की एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी की स्मृति में आज शाम 6.30 बजे से रवींद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में म्यूजिक प्रोग्राम - अमिताभ बच्चन विद सुदेश भोंसले का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष दिनेश गर्ग ने बताया कि इस चैरिटेबल शो के जरिए उन बच्चों की मदद की जाएगी, जो संगीत की शिक्षा पाने में सक्षम नहीं हैं। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक सुदेश भोंसले और अरविंद दयाल शर्मा गीतों की प्रस्तुति देंगे।

ट्रांसफर के लिए आठ को आवेदन कर सकेंगे अतिथि शिक्षक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कॉलेजों में खाली पदों के विरुद्ध कार्यरत अतिथि विद्वानों के स्थल परिवर्तन के लिए विभाग ने नया कैलेंडर जारी किया है, जिसके अनुसार वर्तमान में कार्यरत अतिथि विद्वानों के विकल्प भरने के लिए प्रक्रिया आठ अक्टूबर से शुरू होगी, जो तेरह अक्टूबर तक चलेगी। मेरिट के आधार पर आवंटन सूची 14 अक्टूबर को जारी की जाएगी। वहीं मेरिट में आए अतिथि विद्वानों के ज्वाइंग के लिए 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर रखी गई है। ज्ञात हो कि अतिथि विद्वान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. देवराज सिंह एवं उपाध्यक्ष डॉ. अविनाश मिश्रा ने विभागीय मंत्री इंदर सिंह परमार से मिलकर स्थल परिवर्तन शुरू करने की मांग की थी।

भोपाल। शरद पूर्णिमा पर शीतल दास की बगिया में भगवान बटेश्वर और मां गौरा को नौका विहार कराया गया।

बारिश के बाद कमर तोड़ रही सड़कें, गड्ढों की नहीं हो पा रही मरम्मत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश की बौछारों से टूटी सड़कों पर गहरे हुए गड्ढे भरने में पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार रुचि नहीं ले रहे हैं। विभाग की 250 किमी की सड़कें गारंटी की हैं और इनमें से 150 किमी की स्थिति ज्यादा खराब है। ठेकेदारों पर ही इन्हें दुरुस्त करने का जिमा है, लेकिन वे नहीं मान रहे हैं। विभाग पंद्रह दिन में दो बार पत्र लिखकर काम शुरू करने का कह चुका है। बारिश के दौरान उभरे गड्ढों पर पैचवर्क कर वे सड़कों की स्थिति लगातार बदलते रहते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार बारिश में बहा डामर पैचवर्क के बाद ट्रैफिक निकलने से उखड़ जाता है। पीडब्ल्यूडी की जिले में 320 किमी लंबी सड़कें खराब होने की स्थिति सामने आई, इनमें अधिकतर शहरी सड़कें हैं।

पीडब्ल्यूडी ने खराब सड़कों तुरंत दुरुस्त कर आमजन में विभाग की कार्यप्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ाने लोकपथ एप लॉन्च किया था। जीआइएस लोकेशन के आधार पर सुधार का दावा है, लेकिन ऐप पर अपेक्षाकृत शिकायतें नहीं आ रही हैं। लोगों में ये अब तक अपने प्रति विश्वास नहीं जगा पाया। लगभग 3800 किलोमीटर लंबे शहरी सड़क नेटवर्क की स्थिति अत्यंत दयनीय है। नगर निगम के अंतर्गत आने वाली इन सड़कों में से अधिकांश टूट-फूट का शिकार हैं। मुय सड़कों से लेकर सर्विस रोड और कॉलोनियों की सड़कों तक की हालत खराब है।

रंबल स्ट्रीप टूटी, कीलें रह गई

पीडब्लयूडी की विकसित सीसी रोड पर वाहनों की रतार को रोकने लगाई रंबल स्ट्रीप घटिया गुणवत्ता की है। लगाने के एक सप्ताह में ही स्ट्रीप निकल गई। इन्हें रोड पर चिपकाने उपयोग की गई बड़ी कीलें रह गई। स्ट्रीप हटने के बाद ये कीलें वाहनों के टायर को पंचर करने का काम कर रही है। पीडब्ल्यूडी ने कोलार सिक्सलेन से लेकर सीआई तिराहा से शाहपुरा रोड, बावड़िया ब्रिज व अन्य सड़कों पर ये लगाई है।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने लिखा पत्र

महंगाई पर राहत देने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के शासकीय पेंशनरों ने दीपावली से पहले महंगाई पर 5 प्रतिशत राहत देने की मांग की है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने इस संबंध में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है, जिसमें 1 जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत और 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत महंगाई राहत देने की मांग की है।

पुनर्गठन अधिनियम की व्याख्या पर विवाद एसोसिएशन ने राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 के तहत पेंशनरी दायित्वों के विभाजन पर एक मुद्दा उठाया है। सक्सेना ने कहा कि अधिनियम में केवल एकीकृत मध्यप्रदेश के पेंशनरी दायित्वों का विभाजन किया गया है, जबकि उत्तरवर्ती मप्र व छग के पेंशनरी दायित्वों के विभाजन का कोई प्रावधान नहीं है। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ राज्य केवल एकीकृत मध्य प्रदेश के शासकीय पेंशनरों व परिवार पेंशनरों को ही महंगाई राहत देने की सहमति दे रहा है, न कि उत्तरवर्ती पेंशनरों की महंगाई राहत की।

लंबित मांगों को लेकर 8 को देंगे धरना: वर्षों पुरानी लंबित मांगों को लेकर ऑल प्रगतिशील पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन मध्यप्रदेश ने सड़क पर उतरने का फैसला किया है। संगठन के प्रान्ताध्यक्ष सुधीर दुबे ने बताया कि प्रदेशभर के हजारों पेंशनर बुधवार को अम्बेडकर पार्क, तुलसी नगर में विशाल धरना देंगे। प्रदर्शन में प्रमुख मांगों के तौर पर बकाया 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता, पेंशनर की मृत्यु पर 1 लाख 25 हजार की राहत राशि, बेरोजगार बच्चों को पीला राशन कार्ड, और 31 दिसंबर व 30 जून को सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ देने की मांग सरकार से करेंगे।

मेट्रो एंकर

चौकी इमामबाड़ा वाल्मीकि मंदिर में भजन, शाम को चल समारोह निकलेगा

वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुई विशेष पूजा-अर्चना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चौकी इमामबाड़ा स्थित वाल्मीकि मंदिर में आज भगवान वाल्मीकि जयंती हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में सुबह से ही विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने की। उन्होंने बताया कि भगवान वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर आज शाम 4 बजे से चल समारोह का आयोजन किया है, जो भवानी चौक से प्रारंभ होकर नूर महल, वाल्मीकि मंदिर, सफिया कॉलेज, नरकटिया मंदिर, शाहजहानाबाद, कबीरपुर, कृष्ण मंदिर होते हुए बाल्मिक बस्ती में भव्य समापन के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शामिल होंगे, जो प्रसाद वितरण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

शैलेंद्र चौहान ने बताया कि चौकी इमामबाड़ा का वाल्मीकि मंदिर शहर के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है, जहां भगवान वाल्मीकि जी की पूजनीय और प्राचीन प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य समाज के युवाओं को अपने धर्म और संस्कृति से जोड़ना है। युवा पीढ़ी अगर अपनी परंपराओं को अपनाएगी तो समाज निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा और भगवान वाल्मीकि जी के आदर्शों पर चलकर अपने धर्म का गौरव बढ़ाएगी। पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा, वहीं दोपहर से ही चल समारोह की तैयारियों को लेकर समाज के लोगों में उत्साह देखा गया। भोपाल में आज भगवान वाल्मीकि जयंती का यह पर्व भक्ति, एकता और समाज सेवा का संदेश देता नजर आया।

इंस्टेंट एनर्जी ड्रिंक से लेकर किया गया हाई-टेक इनोवेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) परिसर में विज्ञान और तकनीक की दुनिया में छात्रों और शोधकर्ताओं की प्रतिभा को सामने लाने वाले मेले में एक से बढ़कर एक इनोवेशन ने लोगों का ध्यान खींचा। मेले में इसरो, आइसर, एप्री, आइसेक्ट, मेपकॉस्ट सहित विश्वविद्यालयों के साथ ही स्कूली बच्चों ने नवाचार मॉड्यूल प्रदर्शित किए। छात्रों ने मौसम वैज्ञानिकों से सवाल-जवाब कर मौसम और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर गहराई से चर्चा की। मंडीदीप स्थित एचईजी लिमिटेड ने ग्रेफाइट एनोड निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक संयंत्र प्रदर्शित किया। कंपनी भविष्य में नैनो-कार्बन सामग्री के निर्माण के लिए विशेष केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को मजबूती देगी। बीयू के फॉर्मेसी डिपार्टमेंट के छात्र अब्दुल राजिक और पंकज कुमार प्रजापति का इंस्टेंट एनर्जी ड्रिंक खूब चर्चा में रहा। उन्होंने बताया कि यह ड्रिंक सिर्फ दो मिनट में तैयार हो जाती है। इसमें कम मात्रा में क्रिएटिन और कैफीन मिलाया गया है, ताकि किसी तरह के साइड इफेक्ट से बचा जा सके। यह ड्रिंक एनर्जी बूस्टर का काम करेगी। राजा रामन्ना केंद्र की प्रदर्शनी भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रही। दर्शकों ने तरल नाइट्रोजन के प्रयोगों के माध्यम से पदार्थ की अवस्थाओं में परिवर्तन का अनुभव किया, जिसमें - 196 डिग्री सेल्सियस पर जमे केले से कील ठोकना प्रमुख आकर्षण रहा।

कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री कार्यक्रम में 52 उद्यमी हुए सम्मानित

उद्योग जगत के सहयोग से मप्र बनेगा अव्वल राज्य: मुख्यमंत्री

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को विकास की दृष्टि से सबसे अव्वल राज्य बनाने में उद्योग जगत की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार और प्रदेश के नागरिकों के साथ उद्योग जगत के प्रयास आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहयोगी होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र का नेतृत्व करते हुए वर्ष 2014 के बाद दृश्य बदल दिया है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए ऐसी नीतियों का निर्माण किया गया है जो विकास के द्वार खोलती हैं। मुख्यमंत्री ने यह बात राजधानी में कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों के 52 उद्यमियों को सम्मानित करते हुए कही।

पीएम के चिंतन का दायरा व्यापक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरे विश्व के समक्ष यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की कार्य दक्षता, सजगता, नवाचार और कदम से कदम मिलाकर चलने की विशेषताओं से भारत की नई पहचान बन रही है। प्रधानमंत्री जी के चिंतन का दायरा व्यापक है। उन्होंने जीएसटी में कमी करने के साथ ही कर व्यवस्थाओं को सरल बनाने का ठोस कार्य किया है। यही कारण है कि आयकर का विवरण देने में उद्यामियों से लेकर आम नागरिकों तक सभी को बेहतर नीतियों का लाभ मिल रहा है। तकनीक का आवश्यक उपयोग भी हो रहा है। उद्यमशील लोगों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का सरकार पर बड़ा आरोप, ठेका निरस्त करने की मांग

सियासी बवाल में फंसा बिजली कंपनी का स्मार्ट मीटर

कंपनी के पाक कनेक्शन से साइबर अटैक तक पहुंची बात

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर को लेकर विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार बड़ा आरोप लगते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी का पाकिस्तान से कनेक्शन है, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। उन्होंने इस पूरे मामले को देश के खिलाफ एक बड़ी साजिश बताया है और कंपनी का ठेका निरस्त करने की मांग की है।

सिंघार ने कहा कि यह कोई स्मार्ट मीटर नहीं, बल्कि एक जासूसी का मीटर है। उन्होंने दावा किया कि जिस कंपनी को मध्य प्रदेश में मीटर लगाने का ठेका दिया गया है, उसके कई बड़े अधिकारी पाकिस्तानी मूल के नागरिक हैं। सिंघार ने यह भी सवाल उठाया कि जब कंपनी के तार सीधे तौर पर पाक से जुड़े हैं, तो फिर सरकार ने उसे ठेका क्यों दिय। उन्होंने कहा कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। सिंघार ने बताया कि 'अफ्नार' नामक यह कंपनी, जिसका ऑफिस सऊदी अरब में है, राज्य में मीटर लगा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी में मेन पावर पाकिस्तान का है और वहीं भारत में डॉक्यूमेंटेशन प्रोसेस में भी लापरवाही बरती गई।

निजी डेटा की सुरक्षा पर सवाल

ठेके की राशि पर भी सवाल खड़े करते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि पश्चिम क्षेत्र में इसी कंपनी का 897 करोड़ का ठेका अधूरे कागजात के चलते निरस्त कर दिया गया था, लेकिन इसके बाद भी इसी कंपनी को 1100 करोड़ का ठेका दे दिया गया। कुल मिलाकर लगभग 2000 करोड़ का ठेका इस कंपनी को मिला है। स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर कस्टमर्स से उनका अकाउंट नंबर, आधार कार्ड समेत कई पर्सनल इनफॉरमेशन मांगी जा रही हैं। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि जब कंपनी को पाकिस्तान के लोग चला रहे हैं, तो हमारा संवेदनशील डेटा कैसे सुरक्षित रह पाएगा. यह डेटा अब पाकिस्तानियों के हाथ में है।

साइबर अटैक की आशंका

उमंग सिंघार ने दावा करते हुए कहा कि इन मीटरों का कंट्रोल अब पाकिस्तान के हाथों में चला गया है। एक बटन दबाने से पूरे प्रदेश की बिजली गुल हो सकती है। मोदी जी बात तो पाकिस्तान से व्यापार न करने की करते हैं, लेकिन पीछे के दरवाजे से पाकिस्तान की मदद की जा रही है। सिंघार ने इसे साइबर अटैक का एक नया दरवाजा बताते हुए कहा कि इससे फिलहाल देश के 25 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी इस कंपनी को ठेका न देने का सुझाव दिया था और कई राज्यों ने तो इस कंपनी को काम देने से ही मना कर दिया, लेकिन सरकार ने सब कुछ अनदेखा कर दिया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में भोपाल में प्रदर्शन, पूरे प्रदेश से जुटे उपभोक्ता

भोपाल स्मार्ट मीटर के विरोध में सोमवार को भोपाल में बड़ा प्रदर्शन हुआ। दोपहर साढ़े 12 के बाद शाहजहानी पार्क में पूरे प्रदेश से उपभोक्ता जुटना शुरू हो गए थे। मध्यप्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन (एमईसीए) के बैनर तले यह प्रदर्शन किया जा रहा है। उपभोक्ता 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, बिजली के रेट कम करने जैसी 11 मांग भी सरकार से कर रहे हैं। सैकड़ों लोगों ने यहां जुटकर प्रदर्शन किया। एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक रचना अग्रवाल और लोकेश शर्मा ने बताया, मध्यप्रदेश सहित देशभर में बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का विरोध किया जा रहा है। ये विरोध कोई औपचारिकता या कोई निहित स्वार्थ पर आधारित राजनीतिक विरोध नहीं है, बल्कि हमारी दैनिक आय और जीवन मरण के प्रश्न से जुड़ा है।

आईएफएमएस सॉफ्टवेयर में कर्मचारियों के डेटा पर सवाल

सर्विस रिकार्ड में गड़बड़ी की शिकायत के बाद मिल पाई सुधारने की परमिशन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

वित्त विभाग के सॉफ्टवेयर आईएफएमआईएस में कर्मचारियों की पर्सनल डिटेल गलत भरी जा रही है। ऐसे कर्मचारियों की संख्या हजारों में बताई जा रही है। इसके चलते अब राज्य सरकार ने एम्पलाई डेटाबेस के अंतर्गत कर्मचारियों की जन्मतिथि, नियुक्ति तारीख और बैंक खाता नम्बर व आधार नम्बर अपडेट करने की कार्यवाही शुरू कराने के निर्देश सभी विभागों के विभागाध्यक्षों को दिए हैं। डेटा अपडेशन की यह कार्यवाही एक बार ही की जा सकेगी। इसके लिए कार्यालय प्रमुख और आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ) के प्रस्ताव के बाद बजट कंट्रोलिंग ऑफिसर (बीसीओ) पूरी जांच पड़ताल के बाद अनुमति देंगे। वित्त विभाग द्वारा इसको लेकर जारी निर्देश में कहा गया है कि कई कर्मचारियों और अधिकारियों के सेवा अभिलेख में संशोधन के लिए प्रस्ताव शासन को मिल रहे हैं। आईएफएमआईएस एम्पलाई प्रोफाइल में दर्ज की गई जानकारी को लेकर यह स्पष्ट किया जाता है कि कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड को अपडेट रखने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख और आहरण संवितरण अधिकारी की होती है।

कार्यालय स्तर पर ही किए जाएंगे डेटा अपडेशन के काम

आईएफएमआईएस में सर्विस रिकार्ड के आधार पर डेटा के अपडेशन की कार्यवाही होती है। इसलिए जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड में किसी तरह की गड़बड़ है उसे कार्यालय स्तर पर दुरुस्त कराया जाए। वित्त विभाग ने कहा है कि

बैंक खाता, आधार में भी हो सकेगा अपडेशन

अगर जन्मतिथि में काट-छांट की गई है तो वित्त विभाग द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों के आधार पर कार्यालय प्रमुख इसका अनुमोदन बीसीओ से लेंगे। इसके अतिरिक्त अगर किसी अन्य वजह से जन्मतिथि में बदलाव की स्थिति बनती है तो वित्त विभाग के नियमों के परीक्षण के आधार पर अनुमति दी जाएगी। वित्त विभाग ने कहा है कि इसी तरह बैंक खाता वितरण में संशोधन, आधार क्रमांक में संशोधन और नियुक्ति तारीख में संशोधन के ऑप्शन भी दिए गए हैं।

आईएफएमआईएस में ईएसएस मॉड्यूल में कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड सुधारने का काम आहरण संवितरण अधिकारी (डीडीओ) और बीसीओ स्तर के अधिकारी कर सकेंगे। अगर किसी कर्मचारी की जन्मतिथि में डेटा गड़बड़ दर्ज है तो लिपिकीय त्रुटि होने की दशा में कार्यालय प्रमुख और डीडीओ द्वारा बीसीओ को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बीसीओ इसका नियमानुसार परीक्षण कर बदलाव की अनुमति देंगे।

17 अक्टूबर तक होंगे पंजीयन

भावांतर योजना में अभी तक 62 हजार किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की गई भावांतर योजना के पंजीयन में किसान पूरे उत्साह से सहभागिता कर रहे हैं। अभी तक प्रदेश भर में 61 हजार 970 किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया है। भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अन्नदाताओं की चिंता कर सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। प्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया है, उसी तरह सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ दिलवाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें और हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए।

अभी तक 61970 किसानों ने कराया पंजीयन

प्रदेश में सोयाबीन फसल के उपार्जन के लिए इंदौर जिले के 12 हजार 207, शाजापुर जिले के 11 हजार 731, उज्जैन जिले के 8 हजार 221, राजगढ़ जिले के 5 हजार 468, आगर मालवा जिले के 3540, देवास जिले के 2894, सीहोर जिले के 2331, विदिशा जिले के 2207, बड़वानी जिले के 1543, हरदा जिले के 1318, रतलाम जिले के 1241, खरगौन जिले के 1207, मंदसौर जिले के 999, दमोह जिले के 992, धार जिले के 899, रायसेन जिले के 801, सागर जिले के 799, बैतूल जिले के 748, नीमच जिले के 461, गुना जिले के 421, खंडवा जिले के 368, नरसिंहपुर जिले के 319, अशोक नगर जिले के 269, झाबुआ जिले के 215,छिंदवाड़ा जिले के 199, नर्मदापुरम जिले के 132 किसानों ने कराया पंजीयन।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कैशलेस स्वास्थ्य योजना के विकल्प फार्म मंगाए

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने नियमित एवं संविदा अधिकारी, कर्मचारी एवं पेंशनर्स व उनके पात्र आश्रितों को लाभांवित करने के लिए कैशलेस स्वास्थ्य योजना प्रस्तावित की है। योजना में शामिल होने के इच्छुक कंपनी के नियमित एवं संविदा अधिकारी, कर्मचारी एवं पेंशनर्स व उनके पात्र आश्रितों से विकल्प फार्म जमा करने के लिए व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत नियमित/ संविदा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थिति पोर्टल पर लॉगिन करके अपनी सभी आवश्यक जानकारी फॉर्म में प्रविष्ट करके उसे जमा करेंगे। कंपनी ने कहा है कि अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी कंपनी की वेबससाइट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय/ वृत्त कार्यालय में पदस्थ उपमहाप्रबंधक/ प्रबंधक (मानव संसाधन) से संपर्क किया जा सकता है। कार्पोरेट कार्यालय में पदस्थ प्रबंधक (मानव संसाधन)/ नोडल अधिकारी रवि कुमार शर्मा से उनके मोबाइल नंबर 6232913024 पर संपर्क करके जानकारी ली जा सकती है।

11 महीने पहले शुरू हुआ रेनोवेशन और कंस्ट्रक्शन वर्क अभी भी अधूरा

मेडिकल कॉलेज: भव्य गेट बनकर तैयार, रास्ता बनाना भूले जिम्मेदार

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में हर स्तर पर लापरवाही के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। एक ओर उच्च स्तर के जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई और मासूम बच्चों के लिए कफ सिरप काल बन गई, वहीं गांधी मेडिकल कॉलेज में प्रबंधन और निर्माण एजेंसी के अजीब प्लान से मरीजों और परिजनों को कैंपस में आने-जाने में परेशानी हो रही है। दरअसल, जीएमसी मेन गेट के रेनोवेशन और चौड़ीकरण के लिए निर्माण कार्य 15 नवंबर 2024 को शुरू किया गया था, लेकिन 11 महीने बाद भी गेट का उतना ही हिस्सा आवाजाही के लिए खुला है, जितना पहले था। वजह यह है कि प्रबंधन और निर्माण एजेंसी का फोकस सिर्फ भव्य गेट बनाने पर था। जिसमें वे सफल भी रहे। हालांकि, कैंपस में एंट्री के लिए गेट के दाईं ओर की सड़क बनाना वे भूल गए। जबकि प्रबंधन ने गेट बंद करते समय दावा किया था कि पूरा काम तीन माह में पूरा हो जाएगा।

गड़बड़ प्लानिंग: पूरा बजट गेट बनाने में ही खर्च

हमीदिया अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि गेट का निर्माण हाउसिंग बोर्ड की पीआईयू शाखा द्वारा किया गया है। गेट के निर्माण के लिए अलग से बजट आवंटित किया गया था, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही और गलत प्लानिंग के चलते पूरा बजट गेट बनाने में ही खत्म हो गया। दरअसल, बजट केवल गेट निर्माण के लिए दिया गया था, इसलिए अधिकारियों ने गेट तैयार कर दिया, लेकिन आगे की सड़क के लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया। अस्पताल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक नहीं है। कुछ समय पहले जूडा ने इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन को पत्र भी लिखा था। इसमें बताया गया था कि कुछ बाहरी लोग अस्पताल में भर्ती मरीजों को इलाज पूरा होने से पहले ही डिस्चार्ज करवाकर अपने साथ ले जाते हैं।

9 से शुरू होगी प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा

एक पद के लिए 12 उम्मीदवारों के बीच देखने को मिलेगी टक्कर

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्राथमिक शिक्षक बनने का सपना देख रहे कोंडीडेस के लिए अब इंतजार खत्म हुआ है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। परीक्षा 9 से 13 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इस बार चयन परीक्षा में लगभग 1.10 लाख उम्मीदवार शामिल होंगे, जबकि पदों की संख्या केवल 13,089 है। यानी हर एक पद के लिए करीब 12 उम्मीदवारों के बीच सीधी टक्कर होगी। ईएसबी ने पहले परीक्षा 31 अगस्त से आयोजित करने की घोषणा की थी, लेकिन कोर्ट केस के चलते आयोजन टल गया। अब सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा दो पालियों में होगी पहली पाली सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3:00 से शाम 5:00 बजे तक। उम्मीदवारों को निर्धारित रिपोर्टिंग समय तक ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। इसके बाद किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए इस बार बहुस्तरीय बायोमेट्रिक पहचान अनिवार्य की गई है। उम्मीदवारों को अपने साथ किसी एक मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना होगा आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट।

मेट्रो एंकर

दीपावली पर मंडला की जनजातीय महिलाएं रच रहीं परंपरा और रंगों का संगम

गौड़ी चित्रकारी से सजा रहीं दीये, कलश और पूजा थालियां

भोपाल, दोहपर मेट्रो

जनजातीय बहुल मंडला जिला में इस दीपावली पर परंपरा और कला का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यहां की जनजातीय महिलाएं अपनी पारंपरिक गौड़ी चित्रकारी से मिट्टी के दीये, कलश, पूजा थाली, पोस्टकार्ड, की-रिंग, पेपर वेट और अन्य सजावटी वस्तुएं तैयार कर रही हैं, जो त्यौहार की रौनक को और बढ़ा रही हैं।

यह पहल हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल तथा जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला पंचायत मंडला के सहयोग से, ग्रामीण विकास एवं महिला उत्थान संस्थान द्वारा संचालित की जा रही है। विकासखण्ड इंद्री सेक्टर में चल रहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 सितम्बर को शुरू हुआ। प्रशिक्षण 10 अक्टूबर 2025 तक आयोजित है, जिसमें 30 जनजातीय महिलाएं भाग ले रही हैं।

गौड़ चित्रकारी मंडला जिले की सांस्कृतिक पहचान है। यह कला गौंड जनजाति के जीवन-दर्शन, आस्था और प्रकृति के गहरे जुड़ाव को दर्शाती है। इस परंपरागत कला को नए रूप में सहेजते हुए, जागृति उईके, निकिता उलारी, बरखा उलारी, प्रीति धुर्वे, वंदना तेकाम, सुमन मरावी, रेखा उसराठे, सुरेखा मीना, मर्सकोल ज्योति जैसी स्थानीय महिलाएं अपने हाथों से परंपरा और सृजन का सुंदर मेल प्रस्तुत कर रही हैं।

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरक कदम

दीपावली को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जा रहे गौड़ी चित्रों से सजे दीये, पूजा थालियां और कलश न केवल कला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं बल्कि इन महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक प्रेरक कदम भी हैं। उत्पादों की कीमतें भी निर्धारित की गई है हेण्डमेड पेपर् 3 900 रूपये, कैनवास् 3 1200 रूपये, की-रिंग 90 रूपये, दीपक 10 रूपये, पेपर वेट 50 रूपये, रूमाल 100 रूपये और पोस्टकार्ड 40 रूपये है। ये सभी वस्तुएं विक्रय के लिए उपलब्ध हैं।

किधर जाएगा बिहार

बिहार के राजनीतिक दल चाहते थे कि राज्य में विधानसभा चुनाव लंबा न खींचा जाए। चुनाव आयोग ने उनकी बात मान ली। राज्य में दो चरणों में वोटिंग होगी - 6 और 11 नवंबर। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होनी चाहिए, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, वोटिंग तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। यह चुनाव SIR से जुड़े विवादों के साये में हो रहा है। जितनी जल्दबाजी और अधूरी तैयारियों के साथ यह प्रक्रिया शुरू की गई, उससे विपक्ष को एक मौका मिल गया। SIR को लेकर आयोग को बार-बार सफाई देनी पड़ी है और अब भी यह बड़ी चुनौती होगी कि जो लोग गड़बड़ियों की शिकायत लेकर आते हैं, उनकी सुनवाई संतोषजनक ढंग से हो जाए।

जन सुराज की एंट्री: पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में NDA ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में NDA और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था - इस दफा समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं।

सुशासन को चुनौती: मई 2014 से फरवरी 2015 के बीच के वक्त को छोड़ दिया जाए, तो 2005 से नीतीश कुमार सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद सीएम वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी सुशासन बाबू की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है।

कानून-व्यवस्था: पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और BJP ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्ष पूछ रहा है।

बड़ी घोषणाएं: बिहार चुनाव बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं RJD और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

बढ़ते प्रदूषण पर भारत में हमारी असंवेदनशीलता का खतरनाक सच

डॉ. निवेदिता शर्मा
समाजिक कार्यकर्ता

भारत में प्रदूषण की समस्या कोई नई नहीं है। यह हर साल की कहानी बन चुकी है। विशेषकर सर्दियों में जब दिल्ली और उत्तर भारत के कई राज्य जहरीली धुंध और स्मॉग से ढक जाते हैं, तब यह विषय चर्चा का केंद्र बनता है। परंतु सच्चाई यह है कि प्रदूषण अब केवल मौसम विशेष की परेशानी नहीं रहा, अब ये एक स्थायी संकट बन चुका है और इस संकट की जड़ हमारी असंवेदनशीलता है।

आम लोगों की धारणा रही है कि प्रदूषण का असर केवल फेफड़ों पर पड़ता है, लेकिन विज्ञान ने इसे गलत करार दिया है। नई चिकित्सीय खोजें बताती हैं कि प्रदूषण का सीधा असर हमारे दिल पर होता है। न्यू इग्लेंड जर्नल ऑफ मेडिसिन और अमेरिका हेल्स एसोसिएशन के अनुसार प्रदूषण में मौजूद कण जैसे पीएम 2.5, पीएम10, और जहरीली गैसें (कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओजोन) रक्त प्रवाह तक पहुंचकर हृदय को प्रभावित करती हैं।

ये सूक्ष्म कण शरीर में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ाते हैं। धमनियों की आंतरिक परत कमजोर पड़ने लगती है, जिससे ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और रक्त के थक्के बनने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हार्ट फेल्योर जैसे गंभीर रोगों के रूप में सामने आता है। वर्तमान में प्रदूषण और दिल की बीमारियों का यह रिश्ता अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित तथ्य बन चुका है। द लांसेट कमीशन की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2019 में पूरी दुनिया में लगभग 90 लाख मौतें केवल वायु प्रदूषण के कारण हुईं। इनमें से 62 प्रतिशत मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी हृदय रोगों से जुड़ी थीं। भारत की स्थिति इस मामले में बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली, कानपुर, लुधियाना, पटना और झारखंड जैसे कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार खतरनाक श्रेणी में रहता है। सर्दियों में जब मौसम ठंडा और स्थिर होता है तो प्रदूषित कण हवा में ज्यादा देर तक टिके रहते हैं और लोगों को जहरीली धुंध का सामना करना पड़ता है। इसके लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। औद्योगीकरण के साथ बड़ी संख्या में बढ़ते वाहन, बिजली घरों और फैक्ट्रियों से निकलता धुआं, जीवाश्म ईंधन पर बढ़ती निर्भरता, सर्दियों में किसानों द्वारा पराली जलाना, शहरों में कचरा खुलेआम जलाना, निर्माण कार्यों से निकलती धूल और प्रदूषण नियंत्रण नियमों की अनदेखी, ये सब मिलकर इस समस्या को भयावह बनाते हैं।

सबसे खतरनाक बात यह है कि लोग इस समस्या को अब सामान्य मान चुके हैं। हमारी असंवेदनशीलता इस संकट की सबसे बड़ी वजह बन चुकी है। सड़कों पर कचरा जलाना, निजी वाहनों की अंधाधुंध बढ़ोतरी, औद्योगिक इकाइयों का नियमों का उल्लंघन करना, और खेतों में पराली जलाने की परंपरा जारी रखना, ये सब हमारी ही लापरवाही और असंवेदनशीलता के उदाहरण हैं। हमें लगता है कि प्रदूषण का असर कहीं बाहर होता है, हमारी निजी जिंदगी पर इसका सीधा असर नहीं पड़ता। परंतु सच्चाई यह है कि यह जहर हमारी सांसों और हमारे दिल की धड़कनों तक पहुंच चुका है।

किसानों को पराली जलाने के विकल्प उपलब्ध कराने होंगे ताकि वे मजबूरी में खेतों को जलाने के बजाय नई तकनीकों का उपयोग कर सकें। निर्माण कार्यों के लिए भी सख्त नियम बनाकर उनकी निगरानी करनी होगी। किंतु इसके साथ यह भी समझना होगा कि यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। आम नागरिकों को भी आगे आना होगा। हमें निजी वाहनों पर निर्भरता कम करनी होगी और सार्वजनिक परिवहन, साइकिल तथा पैदल चलने को प्राथमिकता देनी होगी। घरों और मोहल्लों में अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे और उनकी देखभाल करनी होगी। बिजली और पानी की बचत करनी होगी और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना होगा। कचरा जलाने से बचना होगा और उसका वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण है कि हम प्रदूषण के खतरों और उसके स्वास्थ्य पर असर को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाएं।

असल में प्रदूषण का असली समाधान हमारी संवेदनशीलता में छिपा है। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि प्रदूषण से लड़ना हमारी निजी जिम्मेदारी है, तब तक यह संकट कम नहीं होगा। यह केवल अदालतों या प्रशासन का विषय नहीं है, यह हमारे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रदूषण को कम करना कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन बचाने की अनिवार्यता है। आज भारत का पर्यावरण और हमारे दिल दोनों एक ही संकट से गुजर रहे हैं। अगर हम आज नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियां जहरीली हवा और बीमार शरीर की विरासत पाएंगी। क्या हम उन्हें ऐसा भविष्य देना चाहते हैं। अगर नहीं, तो आज ही हमें प्रण लेना होगा कि हम पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होंगे, प्रदूषण रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे और अपनी जीवनशैली में ऐसे बदलाव करेंगे जो प्रकृति और स्वास्थ्य दोनों के लिए अनुकूल हों। स्वच्छ हवा और स्वस्थ दिल केवल सरकारी आदेशों या वैज्ञानिक उपायों से नहीं मिल सकते। यह तभी संभव है जब नागरिक और शासन मिलकर आगे बढ़ें और एक नई सोच विकसित करें। भारत के भविष्य की कुंजी इसी सामूहिक जिम्मेदारी में छिपी है। हमारी असंवेदनशीलता ही प्रदूषण का सबसे बड़ा सच है और यदि हमने समय रहते इसे संवेदनशीलता में नहीं बदला तो यह संकट हमारे अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगा देगा।

पाक और संयुक्त राष्ट्र की आतंकवाद रोधी समितियां, भारत के लिए चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

संयुक्त राष्ट्र को विश्व शांति और सुरक्षा का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। विशेषकर आतंकवाद-रोधी समितियाँ अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र बिंदु हैं। किंतु हाल ही में पाकिस्तान का इन प्रमुख समितियों में शामिल होना न केवल विसंगति है, बल्कि यह पूरे वैश्विक आतंकवाद-रोधी ढाँचे की विश्वसनीयता पर गहरे प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जिस देश को वर्षों तक आतंकवाद के संरक्षक, पोषक और निर्यातक के रूप में पहचाना गया, वही आज नीति-निर्माण की मेज पर बैठा दिखाई दे रहा है। यह परिघटना न केवल भारत जैसे आतंकवाद से पीड़ित देशों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पूरी वैश्विक सुरक्षा प्रणाली के लिए एक गंभीर चुनौती है।

पाकिस्तान को दशकों से आतंकवाद का प्रायोजक राष्ट्र माना जाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स तथा अनेक अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां बार-बार यह तथ्य उजागर कर चुकी हैं कि पाकिस्तान की भूमि का प्रयोग जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हक्कानी नेटवर्क जैसे संगठनों द्वारा किया जाता है। इसके बावजूद संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी समितियों का हिस्सा बनाना विरोधाभासी कदम प्रतीत होता है। यह उस व्यवस्था का मज़ाक है जिसमें अपराधी ही न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठ जाए। संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में कई पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों और व्यक्तियों के नाम दर्ज हैं। फिर भी वे खुलेआम राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियाँ चलाते हैं। हाफिज़ सईद और मसूद अजहर जैसी हस्तियाँ बार-बार प्रतिबंधों को चकमा देती रही हैं और सरकार की संरक्षण में अपने नेटवर्क का विस्तार करती रही हैं। यह असमान प्रवर्तन वैश्विक ढाँचे की कमजोरी को उजागर करता है। जब तक आतंकवाद के खिलाफ प्रतिबंधों और दंडों का एकसमान और कठोर प्रवर्तन नहीं होगा, तब तक यह पूरी प्रणाली खोखली ही मानी जाएगी।

यह भी स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की समितियों में सदस्यता या नियुक्ति केवल आतंकवाद-रोधी योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक समीकरणों के आधार पर होती है। चीन द्वारा पाकिस्तान का बार-बार समर्थन, अमेरिका द्वारा सामरिक कारणों से चुप्पी और इस्लामी देशों की एकजुटता- ये सभी कारक पाकिस्तान को वह वैधता प्रदान करते हैं, जिसकी उसे वैश्विक स्तर पर आवश्यकता होती है। इस प्रकार राजनीति, सुरक्षा और कूटनीति के दबाव में आतंकवाद विरोधी तंत्र अपनी मूल आत्मा से भटक जाता है। संयुक्त राष्ट्र की समितियां निर्णय तो लेती हैं, लेकिन उनका पालन करवाने के लिए कोई कठोर तंत्र नहीं है। इस कारण सदस्य देश प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए भी बच निकलते हैं। पाकिस्तान का मामला इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। कई बार भारत ने ठोस सबूत प्रस्तुत किए, कई बार अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने रिपोर्ट जारी कीं, परंतु किसी ठोस और स्थायी कार्रवाई का अभाव ही दिखा। भारत के लिए यह स्थिति कई स्तरों पर खतरा और चुनौती लेकर आती है। सीमा पार आतंकवाद का खतरा तो स्थायी रूप से बना ही रहता है। कश्मीर, पंजाब और पूर्वोत्तर में लंबे समय से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने शांति को प्रभावित किया है। अब यदि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की समितियों में बैठकर अपने अपराधों को वैधता दिलाने का प्रयास करेगा तो भारत की सुरक्षा और कूटनीति दोनों के लिए समस्या उत्पन्न होगी।

यह भी संभव है कि पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति से भारत की शिकायतों को अपेक्षित समर्थन न मिले। कूटनीतिक हाशियाकरण की स्थिति बन सकती है, जहाँ भारत की आतंकवाद संबंधी आवाज को पर्याप्त महत्व न दिया जाए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा भी प्रभावित हो सकती है, क्योंकि अब पाकिस्तान उन समितियों का हिस्सा है जहाँ पर आतंकवाद से संबंधित निर्णय लिए जाते हैं। यह भारत द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी या अभियानों को लेकर विश्वास और सहयोग को कमज़ोर कर सकता है। घरेलू सुरक्षा पर भी इसका सीधा दबाव पड़ेगा। पाकिस्तान के आतंकवादी नेटवर्क केवल सीमा पार से ही नहीं, बल्कि साइबर माध्यमों, वित्तीय चैनलों और ड्रग्स-तस्करी के जरिये भी भारत की आंतरिक सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि उसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर वैधता मिलती है तो उसके लिए इन गतिविधियों को और अधिक गुप्त रूप से चलाना आसान हो जाएगा। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी भारत के लिए अवसर है। पाकिस्तान आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य-नागरिक टकराव से जूझ रहा है। भारत को इन परिस्थितियों का कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से लाभ उठाना चाहिए ताकि पाकिस्तान की दोहरी छवि उजागर होती रहे।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान का आतंकवाद-रोधी समितियों में शामिल होना निश्चित ही वैश्विक ढांचे की विश्वसनीयता पर गहरा प्रश्नचिह्न है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि उन सभी देशों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए जो आतंकवाद के शिकार हैं। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक मंचों पर आतंकवाद विरोधी अभियान की नैतिक और वैचारिक अगुवाई करे। भारत को कूटनीति, खुफिया सहयोग, कानूनी सुधार, सैन्य तैयारी और रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। तभी पाकिस्तान की दोहरी नीति और वैश्विक ढांचे की कमजोरी दोनों को एक साथ उजागर कर भारत अपनी सुरक्षा और प्रतिष्ठा की रक्षा कर सकेगा।

सुविचार

जो ईश्वर पर विश्वास करता है, उसी में आत्मशक्ति है, नास्तिक में आत्मशक्ति नहीं होती।
- भगवती चरण वर्मा

निशाना

यहां दवा भी जहर है..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

लालच और स्वार्थ की
यह कैसी लहर है,
यहां हर कदम पे मौत
यह कैसा शहर है,
खाने की बात छोड़िए
पीने की छोड़िए
हम सांस जिसमें ले रहे
हवा वो जहर है,
इंसान की है खाल बस
अंदर से भेड़िए,
खूनी हैं इनके पंजे
इनका यह कहर है,
दुआएं भी अब दोस्त
आती नहीं हैं काम,
उनका भी रहा नहीं
पहले सा असर है,
यह खौफनाक हादसे
हो रहे चारसू
इस बस्ती में हमारी
मुश्किल से गुजर है
चर्चा यह दोस्त आजकल
शामो शहर है
जरा संभलना दोस्त
यहां दवा में जहर है।

कॅरियर

सफलता का साथी बन सकता है स्मार्ट तरीके से AI का इस्तेमाल

एआई दुनिया बदल रहा है तो आपका प्रोफेशन भी इससे पीछे नहीं है। एआई को सफलता का साथी भी बनाया जा सकता है। बस इस टूल को रोज के ऑफिस वर्क में इस तरह शामिल कर लीजिए कि यह आपके प्रोफेशन का हिस्सा ही बन जाएं। इस कोशिश में कुछ बातें और टिप्स ऐसे याद रखने होंगे कि मेहनत का फल मिल सके। एआई को लंबी सफलता की वजह बनाने के लिए जानकारी, सतर्कता और अनुशासन का पालन करना पड़ेगा।

आपकी प्रोफेशनल जरूरत: कोई भी एआई टूल इस्तेमाल करने से पहले उद्देश्य साफ हो। उद्देश्य आपकी प्रोफेशनल जरूरत के हिसाब से तय किया जा सकता है जैसे आप इसी कंपनी में ऊंची पोजीशन तक जाना चाहते हैं या कोई दूसरा ब्रांड आपकी करियर च्वॉइस का हिस्सा है। करियर बदलने की तो नहीं सोच रहे हैं। अगर सोच रहे हैं तो एआई टूल का इस्तेमाल नए करियर की लर्निंग, रोजगार के मौके और कमाई के हिसाब से तय किया जाएगा। जैसे आप, ईमेल राइटिंग, रिसर्च, डाटाइंट्री या प्लानिंग से जुड़े एआई टूल में से चुनाव कर सकते हैं।

एआई को वर्कफ्लो में शामिल करने के लिए शुरुआत खास तरीके से करनी होगी। इससे ईमेल या डॉक्यूमेंट ड्राफ्टिंग जैसे काम लेना शुरू करें। काम में जब कहीं फंसे तो एआई से हेल्प जरूर लें। रोजाना आपके किए कामों पर एआई के सुझाव या रिव्यू भी लें। एआई को काम में शामिल करने के साथ इसके आउटपुट को जांचने की आदत भी डालें। इस तरह से आपका एआई टूल पर विश्वास बढ़ेगा। आप समझेंगे कि एआई आपकी मदद कर सकता है। एआई के रिजल्ट को अपने अंदाज में थोड़ा बहुत बदलें भी जरूर। इस तरह से आप खुद एआई पर पूरी तरह से निर्भर भी नहीं होंगे।

अपनी जरूरत के हिसाब से टूल का चुनाव कीजिए। जैसे- प्रोडक्टिविटी के लिए चैट चैटजीपीटी, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट और नोशन एआई

कम्युनिकेशन के लिए ग्रामर्ली, जैस्पर या डीप एललर्निंग के लिए परप्लेक्सिटी एआई, रिसर्च के लिए एलिसिट, ऑटोमेशन के लिए जेपियर, मेक या ऑटोजीपीटी, डेटा हैंडलिंग के लिए एक्सेल एआई फीचर और पावर बीआई को-पायलट।

लगातार खुद को अपडेट करें: एआई टूल का इस्तेमाल एक बार सीखने के बाद उसी को इस्तेमाल करते रहना काफी नहीं होगा। आपको एआई टूल में होने वाले नए अपडेट की पूरी जानकारी रखनी होगी। प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के साथ प्रयोग करना भी अच्छे रिजल्ट दे सकता है।

हेल्थ अपडेट

शाकाहारी भोजन अच्छा, पर सही डाइट प्लान न होने से हो सकती हैं बीमारियां

हेल्दी रहने के जरूरी है कि हम पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। आजकल ज्यादातर लोग नॉन वेज छोड़कर वीगन डाइट फॉलो कर रहे हैं। हालांकि जरूरी नहीं है कि हर कोई सिर्फ सेहत बनाने के लिए ही मांस मछली छोड़कर शुद्ध शाकाहारी भोजन खाता है बल्कि इसके पीछे धार्मिक मान्यताएं भी होती हैं। वीगन डाइट यानी प्लांट बेस्ड फूड्स सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है।

लेकिन अगर आप सिर्फ शाकाहारी भोजन खा रहे हैं तो यह कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा है लेकिन इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जब डाइट प्लान तैयार करने में लापरवाही हो। इससे कोलेस्ट्रॉल का लेवल कंट्रोल रहता है और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है। लेकिन जिस तरह हर डाइट के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं ठीक उसी तरह वीगन डाइट के भी कुछ गंभीर नुकसान होते हैं।

विटामिन बी 12 की कमी: पशु उत्पादों में विटामिन बी12 की मात्रा अच्छी होती है, ऐसे में जो लोग शुद्ध शाकाहारी भोजन करते हैं उनमें इसकी कमी का खतरा ज्यादा रहता है। विटामिन बी 12 की कमी होने पर थकान, एनीमिया और यहां तक की नर्व डैमेज की भी संभावना अधिक रहती है। विटामिन बी12 को पूरा करने के लिए फोर्टीफाइड फूड्स और सप्लीमेंट्स का सहारा लेना जरूरी होता है।

आयरन की नहीं होती भरपाई : दरअसल प्लांट बेस्ड आयरन एनिमल बेस्ड आयरन की तुलना में बॉडी द्वारा आसानी से अवशोषित नहीं होता है। ऐसे में इससे एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है जिससे कमजोरी, त्वचा का पीला पड़ना, चक्कर आना आदि जैसी कई समस्याएं हो सकती है। दाल, पालक और फोर्टीफाइड अनाज जैसे आयरन से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर शाकाहारी भोजन खाने वाले आयरन की कमी को पूरा कर सकते हैं

अपर्याप्त ओमेगा 3 फैटी एसिड : वीगन डाइट फॉलो करने वालों में ओमेगा 3 फैटी एसिड खासतौर पर डीएचए और ईपीए की कमी हो सकती है। इससे ब्रेन और हार्ट हेल्थ को काफी नुकसान पहुंच सकता है। चूंकि ओमेगा 3 फैटी एसिड मुख्य रूप से फैटी फिश में पाए जाते हैं इसलिए वीगन डाइट फॉलो करने वाले लोगों को अलसी के बीज, चिया सीड्स, अखरोट या शैवाल बेस्ड सप्लीमेंट्स का सेवन करना चाहिए।

नहीं मिलता है भरपूर प्रोटीन: हालांकि कई प्लांट बेस्ड फूड्स प्रोटीन का अच्छा स्रोत होते हैं लेकिन वैरायटी के अभाव के कारण शाकाहारी लोगों में अमीनो एसिड की कमी हो सकती है। ऐसे में बीन्स, दाल, किनोवा या सोया को बिना डाइट में शामिल किए सिर्फ चावल और रोटी पर अधिक निर्भर रहने से शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल पाता है।

पेरेंटिंग अलर्ट

पेरेंट्स की अपेक्षाओं का बोझ, 65-70 प्रतिशत छात्र मानसिक रोगों के शिकार

आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर और बड़ी चुनौती बनकर उभरता हुआ देखा जा रहा है। जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है। शोध बताते हैं कि भारत सहित दुनिया भर में 16-30 साल की उम्र के युवा सबसे ज्यादा मानसिक दबाव महसूस कर रहे हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाएड साइंसेज यानी (इहबास) के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ ओमप्रकाश कहते हैं कि देशभर के छात्रों में मेंटल हेल्थ की समस्या बढ़ती हुई देखी जा रही है। 65-70 प्रतिशत छात्र किसी न किसी प्रकार की मेंटल हेल्थ समस्या जैसे स्ट्रेस-एंग्जाइटी या डिप्रेशन से जूझ रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं, कॉलेज एडमिशन, अंक प्राप्त करने की दौड़ और माता-पिता की अपेक्षाओं का बोझ उनके मानसिक संतुलन को बिगाड़ रहा है। इस तरह की सोच एंग्जाइटी, डिप्रेशन और पैनिक अटैक जैसी समस्याओं का कारण बनती जा रही है। अक्सर स्ट्रेस या एंग्जाइटी झेल रहे युवा खुलकर बात नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें डर होता है कि कहीं लोग उन्हें कमजोर न समझें। यही चुप्पी धीरे-धीरे गंभीर मानसिक समस्याओं का रूप ले लेती है।

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दिल्ली के छात्र अन्य शहरों के छात्रों की तुलना में अवसाद से अधिक प्रभावित हैं। एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री में प्रकाशित ये शोध जुलाई से नवंबर 2023 के बीच किया गया था। ये शोध एसआरएम विश्वविद्यालय एपी अमरावती में मनोविज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया गया। इसमें आठ टियर-1 शहरों हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता और दिल्ली में 18-29 वर्ष की आयु के 1,628 छात्रों का सर्वेक्षण किया। प्रतिभागियों में से 47.1 प्रतिशत पुरुष और 52.9 प्रतिशत महिलाएं थीं। लगभग 70 प्रतिशत छात्रों में मध्यम से उच्च स्तर की चिंता की दिक्कत देखी गई। 60 प्रतिशत में अवसाद के लक्षण दिखाई दिए, वहीं 70 प्रतिशत से अधिक ने अत्यधिक तनाव के अनुभव के बारे में बताया। लगभग एक तिहाई ने बताया कि वह कमजोर भावनात्मक संबंधों से परेशान हैं, 14.6 प्रतिशत में जीवन से संतुष्टि कम थी और लगभग 8 प्रतिशत में समग्र मानसिक स्वास्थ्य खराब देखा गया। विशेषज्ञों ने बताया कि पुरुष छात्रों की तुलना में महिलाओं में तनाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को दिक्कत अधिक थी।

अध्ययन के प्रमुख लेखक के.सुरेश कहते हैं कि रोग के शीघ्र पहचान और समय रहते इसमें चिकित्सकीय मदद की आवश्यकता है। डॉ ओम प्रकाश कहते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्याएं काफी चिंताजनक है, जिसको लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अवसाद, तनाव या चिंता के लक्षण दिखाने वाले युवाओं को तत्काल परामर्श की आवश्यकता होती है।

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ने अवैध शराब पर रोक लगाने एसपी को लिखा पत्र

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी के किनारे बसे शहरों में भले ही प्रदेश सरकार ने शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन नर्मदा किनारे बसे शहर नर्मदापुरम में बेरोकटोक अवैध शराब बिक्री जारी है। इसका दावा भाजपा के नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने किया है श्री राजपूत ने जिले के पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा को पत्र लिखकर अवैध शराब बिक्री में रोक लगाने की मांग की है। पत्र में भाजपा नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने कहा है कि शहर के कई इलाकों में अवैध शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है।जिसके कारण अपराधों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है उन्होंने कहा है कि शराब माफियाओं की सक्रियता का नतीजा है कि अवैध शराब गतिविधि गली मोहल्लों तक फैल चुकी है श्री राजपूत ने कहा कि पूर्व में भी इस संबंध में दोनों थाना प्रभारियों को मौखिक और पत्र लिखकर अवैध शराब बेचने बालों के नाम ओर स्थान अंकित कर जानकारी दी थी लेकिन थाना क्षेत्र में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।उन्होंने कहा है कि समय रहते अवैध शराब पर रोक नहीं लगी तो शहर में अपराधों की स्थिति ओर ज्यादा गंभीर हो जाएगी। नर्मदापुरम जिले में नर्मदापुरम-इटारसी विधानसभा क्षेत्र में जगह जगह बिक रही अवैध शराब और शराब की होम डिलेवरी का मुद्दा मप्र विधानसभा में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और क्षेत्रीय विधायक डॉ सीता शरण शर्मा ने पूर्व में उठाया था विधानसभा में विधायक डॉ. शर्मा ने कहा था कि नर्मदापुरम, इटारसी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में खुले स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध शराब बेची जा रही है। यहां तक कि इसे घर-घर पहुंचाया जा रहा है।

इसके अलावा डॉ शर्मा ने तत्कालीन एसपी डॉ गुरुकरण सिंह से मिलकर अवैध शराब सहित अपराधों पर रोक लगाने पत्र सौंप चुके है।लेकिन अवैध शराब के इस कारोबार पर पुलिस आज तक अंकुश नहीं लगा पायी है सिर्फ समय समय पर कार्यवाही कर पुलिस ओर आबकारी विभाग खानापूर्ति करता रहा है।

कृषि मंडी में तहसीलदार के ड्राइवर और किसान में विवाद

वाहन ड्राइवर ने किसान को मारा थप्पड़ मचा हंगामा तो तहसीलदार ने मांगी माफी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम में तहसीलदार के ड्राइवर ने एक किसान को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद किसानों ने हंगामा कर दिया। विवाद बढ़ता देख तहसीलदार ने माफी मांगी और ड्राइवर पर कार्रवाई की बात कही। तब जाकर मामला शांत हुआ। ये मामला नर्मदापुरम की अनाज मंडी का है। जहां करीब 3 हजार किसान यूरिया के टोकन लेने के लिए सुबह 4 बजे से लाइन में लगे थे। इसी बीच तहसीलदार सरिता मालवीय की गाड़ी का ड्राइवर वाहन पीछे ले रहा था। तभी एक किसान को टक्कर लग गई। जब किसान ने उसे सावधानी से गाड़ी चलाने को कहा तो उसने गुस्से में आकर किसान को थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना के बाद किसानों में गुस्सा फैल गया। आक्रोशित किसानों ने ड्राइवर को बाहर बुलाने और तत्काल कार्रवाई की मांग की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने ड्राइवर को एक कमरे में सुरक्षित बैठा दिया।

फसल नुकसानः कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट का घेराव

उज्जैन। जिले में अति वृष्टि से फसलों को हुए नुकसान और मुआवजे की मांग को लेकर जिला शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक महेश परमार की अगवाई में कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता ने नारेबाजी कर किसानों को जल्द मुआवजा देने और अन्य मांगो को लेकर प्रदर्शन किया।कोठी रोड स्थित एनसीसी कार्यालय के सामने एकत्रित होकर कांग्रेसी रैली बनाकर संकुल भवन पहुंचे। यहां किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया गया। कांग्रेस के प्रदर्शन में कुछ किसान भी शामिल हुए थे उन्होंने भी अपनी बात रखी। विधायक महेश परमार ने कहा कि हमको राजनीति नहीं करनी है, लेकिन किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार को किसानों को जल्द मुआवजा देना चाहिए।

करवा चौथ एवं दिवाली प्रदर्शनी का शुभारंभ

नर्मदापुरम। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने नर्मदापुरम स्थित अग्रवाल चंद्र भवन, सेठानी घाट में स्वदेशी कुटुंबकम करवा चौथ एवं दिवाली प्रदर्शनी 2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और स्वदेशी उत्पादों के जरिए आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ये पहल सराहनीय बताई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद नारोलिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहा स्वदेशी अभियान न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को भी नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय कलाकारों और उद्यमियों को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराते हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव,आयोजन समिति की प्रमुख रानी नामदेव, किरण नामदेव, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया सहित कई गणमान्य महिलाएं और नागरिक उपस्थित रहे।

जीएसटी बचत उत्सव की कार्यशाला संपन्न

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान एवं जीएसटी बचत उत्सव की कार्यशाला गणेश सदन में संपन्न हुई । हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी के जन जागृति अभियान को लेकर संगठन के जिला महामंत्री मुकेश तिवारी एवं भाजपा स्थानीय वरिष्ठ नेतृत्व ने नगर के भाजपा कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों को लेकर मार्गदर्शन दिया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर आम नागरिकों,परिवारों को स्वदेशी अभियान से जोड़ने को लेकर आगामी दिनों में भाजपा घर घर पहुंचकर लोकल फॉर वोकल के तहत स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने का आग्रह भी करेंगे। 25 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान में रैली,नुक्कड़ नाटक,चौक चौराहों पर सामूहिक हस्ताक्षर अभियान, तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी जनजागरूकता अभियान चलाकर स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने की अपील की जाएगी। इस अवसर पर नगर मंडल के संगठन पदाधिकारीगण एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुरक्षा और संवैधानिक संरक्षण की मांग

कटनी। ओबीसी महासभा की इकाई ने कलेक्ट्रेट कार्यालय तक शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें समान अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और संवैधानिक संरक्षण की मांग की गई। इस दौरान कथित एडवोकेट अनिल मिश्रा के डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में उनका पुतला भी फूंका गया। ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग अत्याचार निरोधक अधिनियम के गठन, आरक्षण पर लगे प्रतिबंध को हटाने और देशव्यापी जातिगत जनगणना कराने की मुख्य मांगें शामिल थीं।

सुरक्षा की अनदेखी से नाराज छात्रों ने दिया धरना

कटनी। कटनी के ढीमरखेड़ा शासकीय महाविद्यालय के सामने सड़क सुरक्षा की अनदेखी से नाराज राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं और छात्रों ने सोमवार दोपहर धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कॉलेज परिसर के सामने धरने पर बैठे और जिला प्रशासन, तहसील प्रशासन और मध्य प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लगभग तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण उमरिया पान मार्ग पर लोगों का ध्यान खींचा। दो दिन के भीतर स्पीड ब्रेकर बनाने के आश्वासन के बाद यह धरना समाप्त किया गया।

विदिशा संसदीय क्षेत्र में 25 होगा सांसद खेल महोत्सव

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा संसदीय क्षेत्र में 25 अक्टूबर से सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत होगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान इस महोत्सव का शुभारंभ रायसेन जिला मुख्यालय से करेंगे। यह प्रतियोगिता 25 दिसंबर तक चलेगी। विदिशा संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभाओं–जिसमें भोजपुर विधानसभा भी शामिल है। इनमें ग्राम पंचायत से लेकर मंडल, नगर परिषद, जिला और संसदीय स्तर तक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे लाना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, कबड्डी, हॉकी, एथलेटिक्स और पारंपरिक खेल शामिल रहेंगे। विधायक पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप यह पहल ग्रामीण युवाओं को खेलों में नई दिशा और पहचान देने का कार्य करेगी।

25 दिसंबर को विदिशा मुख्यालय पर इस महोत्सव का भव्य समापन होगा, जिसमें विजेता टीमें भाग लेंगी। समापन समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, आठों विधानसभाओं के विधायक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण भारत की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

भोजपुर विधानसभा विधायक सुरेंद्र पटवा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी 25 अक्टूबर को रायसेन जिला मुख्यालय से करेंगे। यह आयोजन 25 अक्टूबर से 25 दिसंबर तक संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभाओं में चलेगा। भोजपुर विधानसभा में इन प्रतियोगिताओं की तैयारियाँ पूरे जोश और उत्साह के साथ की जा रही हैं। ग्राम पंचायत स्तर से लेकर विधानसभा स्तर तक प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। खेल विभाग, प्रशासनिक अमला और जनप्रतिनिधि सभी इस सांसद खेल महोत्सव को लेकर पूरी तरह उत्साहित और सक्रिय हैं। इसी उद्देश्य से आज यह बैठक आयोजित की गई है। मुझे विश्वास है कि भोजपुर विधानसभा संसदीय क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी और यहाँ की ग्रामीण प्रतिभाएं खेल के क्षेत्र में अपना परचम लहराएँगी।

ऋषिका को डेड लिफ्टिंग में गोल्ड, नेशनल खेलेंगी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर की बेटी ऋषिका राकेश पटेल ने गोल्ड मेडल जीतकर शहर का नाम रोशन किया। इंदौर में आयोजित एमपी बेंच प्रेस डेड लिफ्टिंग प्रतियोगिता में ऋषिका पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। प्रतियोगिता में दमदार खेल दिखाते हुए उन्होंने न केवल गोल्ड पर कब्जा जमाया, बल्कि आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। अब ऋषिका 28 नवंबर को हरियाणा के करनाल में होने वालीनेशनल प्रतियोगिता में शामिल होंगी। ऋषिका की इस उपलब्धि पर शहरवासियो व उनके समर्थको ने हर्ष व्यक्त कर बधाइयाँ प्रेषित की है।

सुनेठी की घटनाः जमीन विवाद में बेटों ने कर दी बुजुर्ग मां की हत्या

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

ग्राम सुनेठी में पारिवारिक जमीन विवाद के चलते बेटों ने अपनी बुजुर्ग मां की हत्या कर दी गई। वहीं हमले में उसका 18 वर्षीय पोता भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतका 75 वर्षीय मनबाई कुर्मी अपने सबसे छोटे बेटे बलवंत सिंह के साथ ग्राम सुनेठी में रहती थीं। मनबाई के पांच पुत्र हैं रमेश प्रसाद, महाराज सिंह, रामप्रसाद, भारत सिंह और बलवंत सिंह। बताया गया कि परिवार के बीच खेती और जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद

चल रहा था। इसी रंजिश के चलते बड़े बेटे महाराज सिंह और रामप्रसाद ने अपने साथियों के साथ मिलकर बलवंत सिंह के घर पर धावा बोल दिया। रात करीब एक बजे के आसपास जब सभी लोग घर में सो रहे थे, तभी आरोपी घर में घुस गए। घर के आंगन में मनबाई और उनका पोता आयुष अलग-अलग पलंगों पर सोए हुए थे। आरोपियों ने मनबाई पर सोते हुए कुल्हाड़ी से सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ीं वहीं आयुष पर भी कुल्हाड़ी से वार किए जिससे उसके दोनों पैर बुरी तरह जख्मी हो गए। आयुष की बचाओ-बचाओ की आवाज सुनकर उसके पिता बलवंत सिंह, मां संगीता और चाचा अरुण घर से बाहर आए, तब तक आरोपी गाली-गलौज करते हुए मौके से फरार हो गए। घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र त्योंदा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मनबाई को मृत घोषित कर दिया, जबकि आयुष की गंभीर हालत को देखते हुए उसे विदिशा रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही त्योंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में एसडीओपी शिखा भलावी का कहना है कि कुछ आरोपियों को पकड़ा है अन्य अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

करेली में किसानों ने भावांतर योजना के विरोध में निकाला ट्रैक्टर मार्च, जमकर की नारेबाजी

नरसिंहपुर, दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर जिले के करेली में सोमवार को किसानों ने भावांतर योजना के विरोध में ट्रैक्टर मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय किसान आर्मी के बैनर तले सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ यह रैली निकाली गई, जिसमें किसानों ने सरकार की नीतियों को किसान विरोधी बताया।

प्रदर्शनकारी किसानों ने सोयाबीन और मक्का की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने की मांग की। इसके साथ ही, गन्ने का मूल्य 450 रुपए प्रति क्विंटल तय करने, बिजली के बढ़े हुए बिल माफ करने और किसानों पर दर्ज झूठे प्रकरण वापस लेने की भी मांग उठाई गई। यह रैली करेली बस्ती से शुरू होकर गल्ला मंडी तक पहुंची। मंडी परिसर में किसानों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और भावांतर योजना से संबंधित विज्ञापन बोर्ड हटा दिए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा किसान भी शामिल हुए।

मेट्रो एंकर

नर्सिंग छात्राओं ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट में प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

नर्सिंग कॉलेजों को काउंसलिंग में शामिल करने और सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग

बैतूल, दोपहर मेट्रो

बैतूल में नर्सिंग छात्राओं ने अपने हक के लिए किया प्रदर्शन। छात्राओं ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौंपा। उनकी मुख्य मांग सरकारी नर्सिंग कॉलेजों को काउंसलिंग में शामिल करने और सीटों की संख्या बढ़ाने की थी।छात्राओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा में असमानता है। उनका कहना था कि कई सरकारी कॉलेज होने के बावजूद उन्हें काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर रखा गया है, जिससे छात्राएं सरकारी कॉलेजों में पढ़ाई के अवसर से वंचित हो रही हैं। इस मौके पर छात्राओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे को सार्थक करने के लिए सरकारी कॉलेजों में छात्राओं को अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में नर्सिंग छात्राएं उपस्थित थीं।

मुआवजे को लेकर कांग्रेस की ट्रैक्टर रैली, कार्यकर्ताओं और पुलिस में हुई झड़प

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

अतिवृष्टि और पिला मोजक बीमारी से चौपट हुई फसलों का उचित मुआवजा देने और समर्थन मूल्य की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गांधी चौराहे से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक ट्रैक्टर रैली निकाली। कांग्रेस के प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रशासन ने जगह-जगह बेरीकेट्स लगाए। ट्रैक्टर लेकर आए किसानों को रोक दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने अपना विरोध दर्ज करवाया। सोमवार 12.30 बजे कांग्रेस द्वारा किसानों की मांगों को लेकर गांधी चौराहा से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक रैली निकाली गई। यहां धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। पिला मौजक और अतिवृष्टि से सोयाबीन, मूंगफली सहित अन्य फसलें लगभग खराब हो चुकी है। किसानों का आरोप है कि सरकार द्वारा किसानों को जो मुआवजा दिया गया वह ऊंट के मुंह में जीरे के सामन है। इसको लेकर जिला कांग्रेस द्वारा सोमवार को ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया गया। इसको लेकर प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार था। जिले में विभिन्न स्थानों पर बेरीकेट्स लगाकर पुलिस प्रदर्शन में शामिल होने आने वाले ट्रैक्टरों को वहीं रोक दिया। सीतामऊ फाटक ब्रिज पर भी बेरिकेड्स लगाकर रैली में आने वाले ट्रैक्टरों को रोका गया। जिले में कुल 24 जगहों पर बेरिकेड्स लगाए गए थे।

कांग्रेस की रैली में ट्रैक्टर रोके

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एक दिन पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी इसी तरह की ट्रैक्टर रैली निकाली थी, जिसे पुलिस प्रशासन ने नहीं रोका। वहीं, जब किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व में रैली निकाली जा रही थी तो उसे बलपूर्वक रोक दिया गया। कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई को भेदभावपूर्ण बताया और किसानों की आवाज दबाने का आरोप लगाया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह कार्रवाई दर्शाती है कि सरकार किसानों की मांगों को लेकर कितनी असंवेदनशील है और किस तरह विपक्ष को भी अपनी बात रखने से रोका जा रहा है।

कार्रवाई: घर पर ही बीड़ी और माचिस बनाने की चला रहा था फैक्ट्री, किया सील

हाशिम की फैक्ट्री में देवी-देवताओं का अपमान! बीड़ी और माचिस के पैकेट पर भगवान की फोटो

सातना, दोपहर मेट्रो

जिले में बीड़ी और माचिस की पैकिंग पर हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीर लगा होने के चलते विवाद हो गया है। स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों की शिकायत के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मोहम्मद हाशिम खान नामक व्यक्ति के बीड़ी कारखाने को पुलिस ने सील कर दिया है।

दरअसल, पूरा मामला सभापुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर कस्बे के वार्ड नंबर 5 का है, जहां मोहम्मद हाशिम घर से ही एक बीड़ी कारखाना संचालित कर रहा था। आरोप है कि उसके कारखाने में बनने वाली बीड़ी और माचिस की पैकिंग पर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र छापे जा रहे थे। जिसको हिंदू लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप लगाया था।

वीडियो वायरल होने के बाद भड़का गुस्सा

मामला तब सामने आया जब इस तरह की आपत्तिजनक पैकिंग वाली बीड़ी-माचिस बाजार में बिकीं। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो सामने आते ही स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पुलिस टीम के साथ तहसीलदार ने मारा छापा

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बिरसिंहपुर तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा और सभापुर थाना प्रभारी निरीक्षक शंखधर द्विवेदी ने पुलिस बल के साथ सोमवार दोपहर को मोहम्मद हाशिम के कारखाने पर छापा मारा। मौके पर शिकायत सही पाए जाने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कारखाने को सील कर दिया है।

शिकायत पर तत्काल प्रभाव से की गई कार्रवाई

तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा ने बातचीत के दौरान बताया कि सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहा था। साथ ही लोगों से मिली शिकायत के आधार पर जन-सामान्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कारखाने को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया है। इसमें आगे नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही, अधिकारियों ने कारखाना संचालक को सख्त निर्देश दिए हैं कि जिन-जिन दुकानों पर इस आपत्तिजनक पैकिंग वाले माल की आपूर्ति की गई है, उसे तुरंत बाजार से वापस मंगाया जाए।

छात्रा काजल को मिली इलेक्ट्रिक स्कूटी

तेंदूखेड़ा। नगर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की मेधावी छात्रा काजल यादव को 12वीं बोर्ड परीक्षा में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करने पर राज्य शासन की मेधावी छात्र योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रदान की गई। यह योजना राज्य सरकार द्वारा प्रतिभाशाली छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। विद्यालय परिसर में आयोजित एक सादे किन्तु गरिमामय समारोह में शिक्षकों द्वारा काजल को स्कूटी की चाबी सौंपी गई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने काजल की इस उपलब्धि की सराहना की और इसे पूरे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया। काजल यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं आत्मविश्वास को देते हुए कहा कि वह भविष्य में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस अवसर पर,के एल चौकसे,जुगल शर्मा,चंद्रशेखर हजारी,सतीश खरे, गणेश प्रसाद अहिरवाल, गणेश सिंह दीपक विदौल्या विशेष रूप से उपस्थित थे।

अमर्यादित टिप्पणी का शाजापुर में विरोध

शाजापुर। नगर में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने डॉ. भीमराव अंबेडकर पर सोशल मीडिया के माध्यम से की गई अमर्यादित टिप्पणी का विरोध किया। पार्टी ने आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए नायब तहसीलदार नाहिद अंजुम को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। बहुजन समाज पार्टी ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ राष्ट्रद्रोह सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। पार्टी का कहना है कि ऐसा करने से भविष्य में कोई भी व्यक्ति संविधान निर्माता के प्रति अमर्यादित टिप्पणी करने का साहस नहीं कर पाएगा।

इंग्लिश सिखाने के नाम पर छात्राओं से धोखाधड़ी

शाजापुर। नगर में शासकीय कॉलेज की छात्राओं के साथ इंग्लिश सिखाने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्राओं ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों के साथ लालघाटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। छात्राओं ने बताया कि शहर के इंदिरा नगर स्थित एमवाईएल नामक एक कंपनी ने उन्हें इंग्लिश सिखाने और नेटवर्क मार्केटिंग के नाम पर ठगा। 10 से अधिक छात्राओं ने इस कंपनी में 11 हजार रुपए जमा किए थे। उन्हें हर महीने 7 हजार रुपए से अधिक मासिक आय का वादा किया गया था, लेकिन तीन से चार महीने बाद भी उन्हें कुछ नहीं मिला।लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने जानकारी दी कि छात्राओं ने एक शिकायती आवेदन दिया है, जिसकी जांच की जाएगी।

जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनाना प्राथमिकता: एसपी

इटारसी, दोपहर मेट्रो

पथरौटा थाना निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक साईकृष्ण एस थोटा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जनता और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य जनता में नहीं, बल्कि अपराधियों में कानून का भय पैदा करना होना चाहिए।

एसपी थोटा ने बताया कि अब किसी भी स्थान पर चैकिंग से पहले कंट्रोल रूम को सूचना देना अनिवार्य किया गया है। साथ ही हर चैकिंग टीम के पास बॉडी कैमरा होना आवश्यक रहेगा, ताकि पुलिस के व्यवहार की निगरानी की जा सके।साइबर अपराधों पर नियंत्रण को लेकर उन्होंने कहा कि विशेष पहल के तहत साइबर सेल में काम करने के इच्छुक पुलिसकर्मियों की परीक्षा आयोजित की गई है। परिणाम आने के बाद चयनित कर्मियों को जिला, जोन और एसडीओपी स्तर पर तैनात किया जाएगा। ट्रैफिक प्रबंधन सुधार के लिए एसडीओपी स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। यदि कोई पुलिसकर्मी बिना हेलमेट के दिखे तो नागरिक उसकी फोटो भेज सकते हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

उज्जैन में दो युवकों ने जेल से छूटने का बनाया वीडियो, किया वायरल

पुलिस ने पकड़कर सिखाया सबक तो माफी मांगते आए नजर

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

युवाओं में वीडियो बनाकर प्रसिद्धि पाने की कोशिश किसी भी प्रकार की सीमा पार कर रही है। ऐसा ही कुछ उज्जैन में हुआ जहां, उज्जैन में दो युवकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो डालकर पुलिस को गालियां दीं और जेल से छूट जाने की धमकी दी, लेकिन यह हरकत उन्हें भारी पड़ गई। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया और ऐसा सबक सिखाया कि दोनों माफी मांगते नजर आए।

घटना शहर के विराट नगर की है, जहां रहने वाले 19 साल के अभिषेक चौहान और विक्की राठौर ने इंस्टाग्राम पर करीब 1 हफ्ते पहले एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में दोनों युवक पुलिस को अपशब्द कह रहे थे और चुनौती दे रहे थे कि यदि पुलिस उन्हें जेल भेजेगी तो उनके पिता उन्हें छुड़ा लेंगे। साथ ही

वीडियो में दोनों ने पुलिस को धमकाया भी था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और क्राइम ब्रांच ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस ने दोनों को सख्ती से समझाया, जिसके बाद उन्होंने आगे से इस तरह के वीडियो न बनाने की कसम खाई है।

प्रेमी से झगड़े के बाद नदी में कूदकर दी थी युवती ने जान

राजगढ़, दोपहर मेट्रो

जिले के पचोर में नेवज नदी में मिले युवती के शव के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। न वह मामला लव जिहाद का था न ही गैंगरेप और न हत्या का। वह मामला आत्महत्या का निकला। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया है और उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया है। युवती का शव मिलने के बाद परिजन व हिंदू संगठनों ने लव जिहाद व गैंगरेप और हत्या के आरोप लगाए थे। पचोर की रहने वाली 23 साल काजल जाट का शव नदी में मिलने के बाद पचोर थाने के बाहर लोग जमा हो गए थे। परिजन ने लव जिहाद, गैंगरेप और हत्या के आरोप लगाए थे। इसके बाद हिंदू संगठनों ने बाजार बंद कराने के बाद थाने का घेराव किया था। आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलवाने की मांग भी कर दी थी। हालांकि जब पुलिस ने जांच की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर इसे आत्महत्या का मामला करार दिया। जांच में प्रेम प्रसंग से जुड़ा विवाद सामने आया है। युवती के बॉयफ्रेंड अरशद और उसके दो दोस्तों (राजा और अरबाज) पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

मेट्रो एंकर — शरद पूर्णिमा पर मां नवचंडी देवीधाम परिसर में हुआ गरबा रास

पूर्णिमा की रात में डांडियों की खनक के साथ दी मनमोहक प्रस्तुति, तालियों से गूंजा देवीधाम

खंडवा, दोपहर मेट्रो

शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में सोमवार रात को मां नवचंडी देवीधाम परिसर में गरबा रास प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मंदिर प्रमुख महंत बाबा गंगाराम ने बताया कि प्रतियोगिता में खंडवा के साथ बाहर की टीमें भी शामिल हुई। शाम 7.30 महाआरती के बाद आरंभ हुई प्रतियोगिता देर रात तक चली।

प्रतियोगिता में इटारसी की 2 टीम, बुरहानपुर की 3 टीम और खंडवा की दो टीम शामिल हुई। पहली प्रस्तुति मां नवचंडी गरबा मंडल की हुई। प्रत्येक टीम ने गरबा में डांडियों पर और रास में ताली से गरबा कर दो-दो प्रस्तुति दी। आयोजन में मां नवचंडी देवी धाम भक्त परिवार के निर्देश शानू वर्मा, गंगेश वर्मा, संतोष मोटवानी, सत्येंद्र सोहनी, प्रशांत बारचे, राकेश दशोरे, पूर्व पार्षद मीना वर्मा सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर कल जिला मुख्यालय पर होगा धरना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रूफरेंज विस्तार विरोध संघर्ष समिति 08 अक्टूबर 2025 बुधवार को जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में एक बड़े हक अधिकार रैली और धरना प्रदर्शन का आयोजन करने जा रही है। यह आयोजन गरीब जनता, किसानों, दलितों और विस्थापित दुकानदारों के अधिकारों की मांग को लेकर किया जा रहा है। समिति ने जनता से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। सरकार पर जनता के हितों की अनदेखी करने, बड़े पूंजीपतियों और राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए काम करने का आरोप लगाया गया है।

श्रीकांत का सवाल- आखिर ध्रुव जुरेल टीम में आए कैसे?

संजू सैमसन के साथ अन्याय!

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया से संजू सैमसन को बाहर रखने पर सख्त नाराजगी जताई है। श्रीकांत ने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक बार फिर सैमसन के साथ अन्याय किया है, जबकि उन्होंने अपने पिछले वनडे मैच में शानदार शतक लगाया था।

उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, फिर वही पुरानी कहानी! संजू के साथ बहुत अन्याय हुआ है। उसने अपने आखिरी वनडे में शतक बनाया था, फिर भी उसे टीम में जगह नहीं दी गई। आप किसी खिलाड़ी से इतना खेलते हैं, फिर उसे अचानक बाहर कर देते हैं। यह ठीक नहीं है। सैमसन ने वनडे में अब तक 14 पारियों में 56.7 की औसत से 510 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 99.6 का रहा है। इनमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। 108 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है।

ध्रुव जुरेल टीम में आए कैसे?

श्रीकांत ने चयन समिति से यह भी सवाल किया कि ध्रुव जुरेल को अचानक टीम में कैसे शामिल कर लिया गया, जबकि उनके पास वनडे अनुभव बहुत कम है। उन्होंने कहा, एक दिन आप संजू को नंबर पांच पर खिलाते हैं, फिर कभी उसे ओपनिंग पर भेजते हैं, और कभी सात या आठ पर। और अब अचानक ध्रुव जुरेल टीम में आ गए? कम से कम सैमसन को पहला मौका तो मिलना चाहिए था। पूर्व चयनकर्ता ने कहा कि केएल राहुल को बतौर मुख्य विकेटकीपर शामिल करना ठीक है, लेकिन सैमसन को बैकअप विकल्प के रूप में रखना चाहिए था।

बदलाव से खिलाड़ी कंफ्यूज हो रहे

श्रीकांत ने चयनकर्ताओं की लगातार टीम में बदलाव करने की नीति पर भी सवाल उठाए और कहा कि इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास टूटता है। उन्होंने कहा, इतने लगातार बदलाव से खिलाड़ी खुद भी कंफ्यूज हो जाते हैं। कभी यशस्वी जायसवाल को टीम में रखा जाता है, फिर अगले दिन हटा दिया जाता है। इस तरह की 'चॉपिंग एंड चेंजिंग' से खिलाड़ियों का भरोसा टूटता है और उनकी लय पर असर पड़ता है।

सैमसन के समर्थन में बढ़ी आवाज

संजू सैमसन को टीम से बाहर किए जाने के बाद, सोशल मीडिया पर भी फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों ने बीसीसीआई पर सवाल उठाए हैं। श्रीकांत का बयान इस बहस को और तेज करता है, जिसमें कई दिग्गज मानते हैं कि सैमसन को कम मौके देकर नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि उन्होंने हर बार सीमित अवसरों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

कप्तानी छिनी तो हिटमैन का वायरल हुआ पोस्ट

रोहित शर्मा ने 13 साल पहले शुभमन गिल को लेकर की थी भविष्यवाणी

मुंबई , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में बड़ा बदलाव तब देखने को मिला जब बीसीसीआई ने वनडे टीम की कप्तानी रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल को सौंप दी। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए यह फैसला लिया, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया। रोहित की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा था, लेकिन बोर्ड का मानना है कि अब नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने का समय है। इसी बीच सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा का 13 साल पुराना संदेश वायरल हो गया, जिसने चर्चा को और भी दिलचस्प बना दिया।

साल 2012 में रोहित शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था, एक युग का अंत 45 और नए युग की शुरुआत 77जैसे ही यह पुराना पोस्ट सामने आया, फैंस में हलचल मच गई। लोगों ने इसे मौजूदा हालात से जोड़ते हुए कहा कि क्या रोहित ने 13 साल पहले ही शुभमन के कप्तान बनने की भविष्यवाणी कर दी थी? यह संयोग भी खास है, क्योंकि रोहित शर्मा की जर्सी संख्या 45 है और शुभमन गिल की 77 है।

असलियत कुछ और थी

हालांकि, इस पोस्ट की सच्चाई कुछ अलग थी। उस समय रोहित शर्मा अपनी जर्सी का नंबर बदलने के बारे में सोच रहे थे। वह अपने पुराने नंबर 45 की जगह नया नंबर 77 अपनाना चाहते थे। उन्होंने यह संदेश उसी बदलाव के संकेत के रूप में लिखा था। लेकिन अब, जब 77 नंबर पहनने वाले शुभमन गिल ने वास्तव में रोहित की जगह भारत की कप्तानी संभाल ली है, तो यह पुराना वाक्य आज भविष्यवाणी जैसा लग रहा है।

संयोग या संकेत?

रोहित शर्मा का वह पुराना पोस्ट दिलचस्प घटनाओं में शुमार हो गया है। चाहे यह महज एक संयोग हो या किस्मत का खेल, लेकिन 45 से 77 का यह सफर अब भारतीय क्रिकेट की नई कहानी बन गया है। फैंस का कहना है कि हिटमैन ने तो वाकई 13 साल पहले ही आने वाले समय की पटकथा लिख दी थी। 2012 में शुभमन जूनियर क्रिकेट खेल रहे थे और किसी को नहीं पता था कि यह खिलाड़ी आगे चलकर भारत का कप्तान बनेगा।

दो प्रारूपों के कप्तान बने गिल

26 साल के शुभमन गिल अब भारत के टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह जिम्मेदारी ली थी। इंग्लैंड में खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में गिल ने पहली बार टीम का नेतृत्व किया और सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही। इस सीरीज में गिल की शांत स्वभाव, धैर्य और सूझबूझ की तारीफ कई पूर्व खिलाड़ियों ने की।

ऑस्ट्रेलिया में नई पारी की शुरुआत

गिल अब अपनी वनडे कप्तानी का आगाज 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया दौरे में करेंगे। पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। इस दौरे में रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों टीम में रहेंगे, जिससे गिल को अनुभव और मार्गदर्शन का बड़ा सहारा मिलेगा।

गिल की नजर अब विश्व कप पर

कप्तान बनने के बाद शुभमन गिल ने साफ कहा कि उनका लक्ष्य 2027 का विश्व कप जीतना है। आने वाले दो वर्षों में भारत लगभग 20 वनडे मुकाबले खेलेगा, जो टीम संयोजन और रणनीति के लिहाज से अहम रहेंगे। गिल चाहते हैं कि टीम हर परिस्थिति में संतुलित और मजबूत बने।

अबिया पैरा बैडमिंटन : प्रमोद ने भारत को जिताए 3 गोल्ड

नई दिल्ली । अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में भारत के शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद भगत ने अपना दबदबा दिखाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में देश को 3 गोल्ड मेडल दिलाए हैं। प्रमोद भगत ने हमवतन मंटू कुमार को एक खिताबी मुकाबले में 21-7, 9-21, 21-9 से शिकस्त देकर पुरुष एकल एसएल3 का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल में पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लॉस्टौनौल और डायना रोजास गोलाक को सीधे सेटों में 21-13, 21-17 से शिकस्त देकर एक और गोल्ड अपने नाम किया। प्रमोद भगत ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। यहां उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर रोमांचक फाइनल मुकाबले में जीत हासिल की। भारत के लिए तीन गोल्ड जीतने के बाद भगत ने कहा, हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत का नाम रोशन करना हमेशा खास होता है। मुझे अपने साथी खिलाड़ियों पर गर्व है।

कई और भारतीयों ने भी किया प्रभावित

भगत और कदम के शानदार प्रदर्शन के अलावा, कई भारतीय शटलर ने विभिन्न श्रेणियों में प्रभावित किया। रणजीत सिंह ने तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते। उनके अलावा, नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में सिल्वर जीता, जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में सिल्वर अपने नाम किया। आरती पाटिल और उमा सरकार की जोड़ी ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 में ब्रॉन्ज अपने नाम किया। भारत के शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद भगत का यह शानदार प्रदर्शन और भारत के पदकों की संख्या पैरा बैडमिंटन में देश के बढ़ते प्रभुत्व को दर्शाती है।

महिला विश्व कप में कभी न हुआ था ऐसा

न्यूजीलैंड के खिलाफ म्लाबा ने रचा इतिहास

इंदौर । न्यूजीलैंड के खिलाफ सोमवार को महिला विश्व कप 2025 के सातवें मुकाबले में साउथ अफ्रीकी गेंदबाज नॉनकुलुलेको म्लाबा ने चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 10 ओवरों में 40 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहले स्पेल में 5 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 22 रन देकर कोई सफलता हासिल नहीं की। इसके बाद म्लाबा ने अपने दूसरे स्पेल में 5 ओवर फेंके, जिसमें 18 रन देकर 4 सफलताएं प्राप्त कीं। यह वनडे विश्व कप में किसी भी साउथ अफ्रीकी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। होल्कर स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 47.5 ओवरों में 231 रन पर सिमट गई। इस टीम ने पहली गेंद पर ही सूजी बेट्स (0) का विकेट गंवा दिया था।

सोफी ने खेली 85 रनों की पारी

सोफी डिवाइन 98 गेंदों में 9 चौकों के साथ 85 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि हॉलिडे ने 45 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किए, जबकि मारिजैन कप्प, अयाबांगा खाका, नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायॉन ने 1-1 विकेट हासिल किया। दोनों ही टीमें इस मुकाबले में बगैर किसी बदलाव के उतरी हैं। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने इस विश्व कप में अपने पहले मैच गंवाए हैं। ऐसे में दोनों देश पहली जीत को बेताब हैं। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच साल 1999 से अब तक कुल 20 मुकाबले खेले गए हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

अमिताभ बच्चन गृहिणियों से बोले-खुद को कम न आंकें

घर संभालना कोई आसान काम नहीं

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर समाज के एक बेहद महत्वपूर्ण वर्ग यानी गृहिणियों को सम्मानित किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग के जरिए कहा कि कई महिलाएं अपनी मेहनत और जिम्मेदारी को कम आंकती हैं, लेकिन वे गर्व के साथ अपनी पहचान बताएं, क्योंकि घर संभालना कोई आसान काम नहीं है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में बताया कि जब वह अपने टीवी क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में दर्शकों से पूछते हैं कि वे क्या करती हैं तो कई महिलाएं बहुत ही नर्म और दबे स्वर में कहती हैं कि वे होममेकर हैं।

अमिताभ ने पूछा कि आखिर महिलाएं क्यों अपनी इस भूमिका को इतना छोटा दिखाती हैं? बिग बी ने महिलाओं को कहा कि वे कभी अपने इस काम को छुपाएं नहीं और न दबे स्वर में बताएं। उन्हें गर्व से, पूरे आत्मविश्वास के साथ कहना चाहिए कि वे घर संभालती हैं, क्योंकि घर संभालना आसान काम नहीं है। उन्होंने विस्तार से बताते हुए अपने ब्लॉग में लिखा, घर को देखना, पति की देखभाल करना, बच्चों को देखना, भोजन सबके लिए बनाना, जितने भी ऊपर के काम होते हैं सब देखना। ये कोई आसान काम नहीं होता।

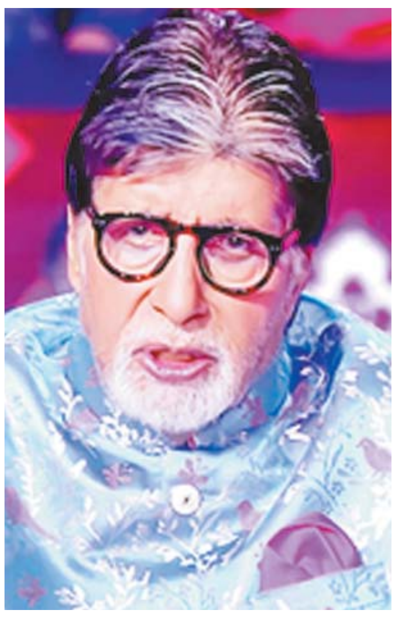

महिलाओं के काम पर करना चाहिए गर्व

अमिताभ बच्चन ने कहा कि ये काम केवल घर के काम नहीं, बल्कि एक तरह का मैनेजमेंट भी होता है, जिसमें सब कुछ सही तरीके से चलना जरूरी होता है। इसलिए महिलाएं जो काम करती हैं, उन्हें अपने उस योगदान पर गर्व करना चाहिए। बिग बी ने लिखा, कोविड के समय सभी पुरुषों को पता चल गया कि पत्नी घर में कितना कुछ संभालती है, जब उन्हें खुद वह सब काम देखना पड़ा जो पत्नी करती थी। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने घर के काम की अहमियत को बेहतर तरीके से समझाया। अमिताभ ने इस बात पर जोर दिया कि घर संभालना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, जिसमें समय और ऊर्जा दोनों लगते हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग के आखिर में लिखा, काम पर जाने का समय हो गया है सुबह-सुबह फोन आयाज और सभी शुभचिंतकों के लिए मेरा प्यार और आभारज आपका निरंतर प्यार और स्नेह शब्दों से परे है।

बिग बॉस 19 : मालती चाहर ने घर में आते ही तान्या मित्तल की पोल खोल दी

'बिग बॉस 19' में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने वाली मालती चाहर ने आते ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। एक वीडियो में वह कंटेस्टेंट तान्या मित्तल की पोल खोलती दिख रही हैं। इससे तान्या को असहज होते हुए देखा जा सकता है। 'बिग बॉस 19' के आने वाले एपिसोड में तान्या और मालती के बीच होने वाली इस बहस को दिखाया जाएगा। इसका एक प्रोमो मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर जारी किया है। इसमें मालती कहती हैं कि तान्या ने जो भी दावे बिग बॉस हाउस में किए हैं उनकी जांच बाहर बैठे लोग कर रहे हैं। इस वीडियो में तान्या, मालती और नीलम बेडरूम एरिया में एक-दूसरे से गुफ्तगू करती नजर आ रही हैं। पहले तान्या, मालती से पूछती हैं कि वह बाहर अच्छी लग रही हैं या नहीं? जिस पर मालती कहती हैं, आप हमेशा साड़ी में ही नजर आती हैं। लेकिन मुझे आपके सारे पुराने वीडियो दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद तान्या पूछती हैं, मतलब मेरी हर चीज पर रिसर्च चल रही है। मालती जवाब देती हैं, आप जो भी पहले के वीडियो में कह रही हैं, अगर वह सच नहीं है, तो वह सब सामने आ रहा है। तान्या बताती हैं कि बकलावा और दूसरी बातों के बारे में उन्होंने जो कुछ कहा है, वे सब सही हैं और वह ऐसा करती भी हैं। इस पर मालती कहती हैं, हम भी करते हैं, कहते नहीं। बात यह है कि आप कैसे दिखते हैं। आप लोग इसे समझ रहे हैं।

मेट्रो बाजार

वीआई एजीआर मामले में 13 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) बकाया पर ब्याज, जुर्माने और जुर्माने पर ब्याज माफ करने की वोडाफोन आइडिया (वीआई) की याचिका पर 13 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। वीआई ने अपने आवेदन में अपनी पिछली याचिका में संशोधन करने की मांग की है, जिसमें वित्त वर्ष 19 तक दूरसंचार विभाग की 9,450 करोड़ रुपए की अतिरिक्त एजीआर मांग को रद्द करने की मांग की गई थी। संशोधित आवेदन में अब एजीआर बकाया की मूल राशि पर ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के भुगतान से छूट की मांग की गई है। वीआई ने कहा कि उसने जुर्माना लगाने के मुद्दे पर इस आधार पर आपत्ति जताई थी कि एजीआर बकाया का भुगतान न करना वास्तविक था। इससे पहले, सरकार की ओर से अधिक समय मांगने के कारण 26 सितंबर को शीर्ष अदालत ने वोडाफोन आइडिया एजीआर केस की सुनवाई को 6 अक्टूबर को ट्रांसफर कर दिया था। पिछली कार्यवाही के दौरान डीओटी का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वोडाफोन आइडिया की याचिका पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय का अनुरोध किया था, और वोडाफोन आइडिया ने अनुरोध का विरोध नहीं किया था। इससे पहले, 19 सितंबर को केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि वह वोडाफोन आइडिया की याचिका का विरोध नहीं करता, लेकिन इस बात पर जोर देता है कि समाधान जरूरी है, क्योंकि सरकार की खुद कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी है।

पाक छोड़कर जा रही दिग्गज कंपनियां बढ़ता आतंकवाद और भ्रष्टाचार है वजह

नई दिल्ली । कंगाल पाकिस्तान को ताबड़तोड़ झटके लग रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां पाकिस्तान से अपना बिजनेस समेटकर निकल रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बाहर जाने को लेकर इस्लामाबाद में चिंता बढ़ रही है। भ्रष्टाचार, आतंकवाद और नियामक बाधाओं ने इन कंपनियों के लिए देश में काम करना मुश्किल बना दिया है।

पाकिस्तान मीडिया डॉन की एक रिपोर्ट में भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के देश छोड़ने का जिक्र किया गया है। बता दें कि पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यहां 24 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं, इसके बावजूद ये कंपनियां देश छोड़ रही हैं।

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने महीने भर पहले पाकिस्तान में अपना दुकान समेट लिया। इसके बाद यामाहा और फिर हालिया अपडेट में प्रॉक्टर एंड गैंबल भी पाकिस्तान से निकल गई। इसके अलावा शेल (एलएनजी की ओर वैश्विक झुकाव के तहत खुदरा ईंधन से बाहर निकलना), उबर और फाइजर ने भी पाकिस्तान को टाटा बाय-बाय बोल दिया।

इसका मुख्य कारण आर्थिक अस्थिरता, अनियंत्रित मुद्रास्फीति, मुद्रा अवमूल्यन, नीतिगत अराजकता और सुरक्षा संबंधी मुद्दों जैसी व्यापक चिंताएं हैं। प्रमुख वैश्विक वित्तीय विशेषज्ञ यूसुफ नजर के अनुसार, इसका मुख्य कारण बाजार की दीर्घकालिक क्षमता का आकलन है। विश्लेषकों का कहना है कि कुछ कंपनियों का बाहर जाना वैश्विक रणनीतियों का हिस्सा है। कुछ कंपनियां बेहतर आर्थिक पैमाने के लिए दुबई या सिंगापुर जैसे क्षेत्रीय केंद्रों में स्थानांतरित हो सकती हैं।

नीतीश कुमार के 19 साल के कार्यकाल में करोड़ों लड़कियों को मिला है साइकिल का गिफ्ट

साइकिल वाली लड़कियों के पास है बिहार चुनाव का रुख बदलने की ताकत!

पटना, एजेंसी

बिहार चुनाव के ऐलान के साथ ही एक मुद्दा ऐसा है, जिस पर बात कम हो रही है, वो है साइकिल वाली लड़कियां। यह ऐसा वर्ग है, जो अकेले किसी भी पार्टी को जीत दिलाने की ताकत रखता है और शायद यही नीतीश कुमार की ताकत भी है। तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और प्रशांत किशोर की रणनीतियां कितनी भी अच्छी हों, लेकिन महिलाओं का ये समूह एनडीए को बढ़त दे सकता है।

नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना शुरुआत में सिर्फ लड़कियों को स्कूलों तक लाने का माध्यम था, लेकिन जैसे-जैसे वक्त बीतता गया, यह वोट बटोरने का जरिया भी बन गया है। कुछ लोगों ने कहा कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण का एक बड़ा हथियार है जो चुनावी गणित को पलट सकता है। नीतीश ने 2005 में सत्ता संभालते ही 2006 में इस योजना को लॉन्च किया। सिंपल आईडिया था कि 9वीं क्लास में एडमिशन लेने वाली सरकारी स्कूलों की लड़कियों को साइकिल खरीदने के लिए 1000 से 2000 रुपये की सब्सिडी देंगे। पहले ही साल में कमाल हो गया। 1.63 लाख लड़कियों को इसका फायदा मिला। नतीजा रहा कि 2011 तक लड़कियों का स्कूल में दाखिला 1.7 लाख से बढ़कर 6.5 लाख तक हो गया। 2020 तक मैट्रिक एग्जाम देने वाली लड़कियां 1.87 लाख से 8.37 लाख पहुंच गईं और ड्रॉपआउट रेट 70% से गिरकर 20% रह गया।

राजनीतिक दृष्टिकोण

2010 से बिहार में महिलाओं का वोटिंग टर्नआउट पुरुषों से ज्यादा है। ये ट्रेंड महिला केंद्रित नीतियों से आया। 2020 के चुनाव में 56.69% महिलाओं ने वोट किया और इनमें साइकिल वाली जेनरेशन का बड़ा रोल था। आज ये 2.5 करोड़ लड़कियां बड़ी हो गई हैं। इनमें लाखों मां बन चुकी हैं, परिवार की जिम्मेदारी संभालती हैं। इनका कुनबा हर साल बढ़ता जा रहा, क्योंकि नई लड़कियां जुड़ती रहती हैं।

एक्सपर्ट्स कहते हैं, इनका कहा परिवार टाल नहीं सकता। मतलब, एक वोटर से पूरा परिवार प्रभावित होता है। यानी साइकिल वाली लड़कियां अब होममेकर्स और एंटरप्रेन्योर्स हैं, नीतीश कुमार से उनका इमोशनल बॉन्ड अलग है। ऐसे में इस चुनाव में साइकिल वाली महिलाएं बड़ा फैक्टर बन सकती हैं।

2.5 करोड़ लड़कियों को मिला फायदा

2006 से अब तक 19 सालों में नीतीश सरकार तकरीबन 2.5 करोड़ लड़कियों को साइकिल बांट चुकी है। ये सिर्फ अनुमान नहीं है, एशियन डेवलमपेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (ADRI) और हार्वर्ड की रिसर्च में भी यही बात कही गई है कि हर साल 10 से 12 लाख लड़कियों को इस योजना का लाभ मिलता है। ग्रामीण बिहार में जहां लड़कियां साइकिल चलाना टैबू मानती थीं, वहां ये आजादी का सिंबल बनी। यहां तक कि अफ्रीका के 7 देशों ने इसे अपने यहां लागू किया।

ट्रैफिक पैटर्न बदलने की मुहिम जारी

गलत दिशा में पैदल चलने पर 2022 में हुई थीं 18 हजार मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में सड़क पर गलत दिशा में पैदल चलने पर 2022 में 18 हजार मौतें हुईं। अगर आप ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए चलते हैं, तो भी वो गलत हो सकता है। क्योंकि हमें बचपन से बाएं ओर चलना सिखाया गया है। लेकिन अब यह नियम बदल सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार से जवाब मांगा कि भारत में दाएं ओर की जगह बाएं ओर चला जा सकता है या नहीं।

एससी ने केंद्र से मांगा जवाब, 10 नवंबर को फिर होगी सुनवाई

2019 में जबलपुर के सोशल एक्टिविस्ट ज्ञान प्रकाश ने एक याचिका दायर की थी। इसमें राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा और पैदल यात्रियों की सुरक्षा की स्थिति के बारे में बताया था। याचिका में सड़क पर लेफ्ट साइड चलने की प्रथा को गलत बताते हुए इसे बदलने और विदेशों की तरह राइट साइड चलने का नियम लागू करने की मांग की गई। याचिका में कहा गया कि भारत में पैदल यात्री परंपरागत रूप से लेफ्ट साइड पर चलते हैं, जो लेफ्ट हैंड ट्रैफिक यानी एलएचटी सिस्टम में असुरक्षित है। इससे पीछे से आने वाले वाहनों से टक्कर का खतरा बढ़ता है। पैदल यात्रियों को राइट साइड चलना चाहिए, जैसा कि विदेशों में होता है। 2022 में 50 हजार सड़क हादसों में से 18 हजार यानी 36 प्रतिशत मौतें पैदल चलने वालों की हुईं। 2017 की रोड एक्सीडेंट्स इन इंडिया रिपोर्ट के आधार पर लेफ्ट साइड पर चलने से पैदल यात्री को पीछे से आने वाले वाहन नहीं दिखते, जिससे 30 प्रतिशत से ज्यादा पैदल हादसे होते हैं। राइट साइड पर चलने से यात्री ट्रैफिक देख सकता है और खतरे से बच सकता है।

याचिका में मांग की गई कि मोटर व्हीकल एक्ट 1988 में संशोधन कर पैदल यात्रियों के लिए राइट साइड चलना अनिवार्य करें। साथ ही स्कूलों और सार्वजनिक जगहों पर जागरूकता कैंपेन चलाएं। सुप्रीम कोर्ट के जज अभय एस। ओका की बेंच ने केंद्र सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी एनएचएआई से पूछा कि क्या भारत में भी विदेशों की तरह पैदल यात्रियों को सड़क की दाईं ओर चलने का नियम बनाया जा सकता है। अदालत ने दोनों पक्षों को 10 नवंबर तक सभी तथ्यों और आंकड़ों के साथ डिटेल्ड जवाब देने के निर्देश दिए।

बर्फ की सफेद चादर से ढका 'धरती का स्वर्ग'

पहाड़ों पर समय से पहले बर्फबारी... कश्मीर से हिमाचल-उत्तराखंड तक तेजी से बदल रहा मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के उत्तरी इलाकों में स्वर्ग कहे जाने वाले पहाड़ी इलाकों का तेजी से मौसम बदल रहा है। अक्टूबर की शुरुआत में ही उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है, जिसके कारण पूरे उत्तर भारत में ठंड के मौसम का आगाज हो गया है। कश्मीर घाटी, लाहौल-स्पीति, केदार घाटी और हेमकुंड साहिब जैसे क्षेत्रों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। इस बर्फबारी से पर्यटकों और दर्शनार्थियों के चेहरे पर खुशी है। पहाड़ों पर बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। जो सर्दी आमतौर पर मध्य अक्टूबर से शुरू होती हैं, वे अब समय से पहले शुरू होती नजर आ रही हैं। सुबह और शाम के समय लोग सड़कों पर जैकेट और गर्म कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। आमतौर पर दिसंबर के अंत से फरवरी के बीच बर्फबारी देखने वाले सिक्किम में भी इस साल समय से पहले बर्फबारी हुई है। कई जगहों पर अक्टूबर महीने के शुरुआती दिनों में ही दिसंबर जैसी सर्दी महसूस हो रही है।

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम समेत ऊंचाई वाले इलाके में हर तरफ बर्फ की सफेद चादर नजर आ रही है। पहाड़ बर्फ की सफेद चादर में ढक गए हैं। शोपियां, अनंतनाग, गुर्रे, श्रीनगर, गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी, पीर की गली, कुपवाड़ा और राजधान टॉप जैसे बलाई इलाके बर्फ में ढके हुए दिख रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में हुए ताजा हिमपात और निचले मैदानी इलाकों में बारिश के चलते घाटी के दिन के तापमान में भारी गिरावट आई है। इस बर्फबारी का असर अब दिल्ली-एनसीआर में भी साफ दिखने लगा है। बर्फीली हवाओं के कारण दिल्ली में अचानक ठंड की एंट्री हो गई है। गुलाबी ठंड अब जोरदार सर्दी में बदल रही है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

हेमकुंड साहिब में स्नोफाल

तीन राज्यों में रेड अलर्ट, पर्यटकों के खिले चेहरे

उत्तराखंड में बर्फबारी की शुरुआत केदारनाथ धाम से हुई, जहां का तापमान करीब 5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया, जिससे अक्टूबर में ही दिसंबर जैसी ठंड महसूस होने लगी। केदारनाथ के अलावा बद्रीनाथ, औली, हर्षिल, गंगोत्री और मुनस्यारी जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में भी बर्फबारी हुई है। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जो ठंड और बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल के लिए अब दो दिन तेज बारिश और बर्फबारी को येलो जारी किया है।

700 किमी का लंबा सफर तय कर पांगी के लोग पहुंच रहे जिला मुख्यालय चंबा

चंबा के जनजातीय क्षेत्र पांगी में चारों और बर्फ की सफेद चादर बिछी है। समूची घाटी शीतलहर की चपेट में है। जिसकी वजह से पांगी का संपर्क जिला मुख्यालय चंबा से कट गया है। अब पांगी घाटी के लोगों को चंबा पहुंचने के लिए कुल्लू-मनाली होकर अटल टनल या जम्मू मार्ग से करीब 700 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ेगा। पांगी घाटी के अन्य ऊंचाई वाले इलाकों जैसे कुमार भटौरी, सुराल, हिलूटवान, शुंण, हुडान और सुराल भटौरी समेत 19 पंचायतों में एक से डेढ़ फीट तक बर्फबारी दर्ज की गई है।

एक फीट बर्फ से हेमकुंड में लक्ष्मण मंदिर का श्रृंगार: सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड में स्थित लोकपाल लक्ष्मण मंदिर का कुदरत ने अद्भुत श्रृंगार कर दिया है। मंदिर पर एक फीट तक बर्फ जम गई है। लक्ष्मण मंदिर के कपाट 10 अक्टूबर को हेमकुंड साहिब के कपाट के साथ ही बंद होने हैं।

चैतन्यानंद का डर्टी गेम खुल गया होटल का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। यौन शोषण के आरोपों में जेल में बंद स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एक ऑडियो क्लिप सामने आई है, जिसमें चैतन्यानंद की महिला डीन लड़कियों को एक फाइव स्टार होटल में स्वामीजी से मिलने और उनके साथ डिनर व रात गुजारने के लिए दबाव बनाती हुई सुनाई दे रही है। ऑडियो में डीन लड़कियों से कहती है कि उन्हें ऑफिस से निकलने के बाद सीधे होटल जाना होगा, जहां स्वामी ठहरे हुए हैं। उसने बताया कि स्वामीजी ने उनके लिए होटल में रूम बुक कराया है और उन्हें वहीं रात रुकना होगा। यदि लड़कियां होटल जाने से मना करती हैं या असमर्थता व्यक्त करती हैं, तो डीन उन्हें उनके कमरे की बुकिंग रद्द करने की धमकी भी देती है।

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कलेक्टर- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए।

अमेरिका की नागरिकता दिलाने के नाम पर 2.35 करोड़ की ठगी, टेंशन में महिला की मौत

चंढ़ीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के करनाल में अमेरिका की नागरिकता (पीआर) दिलाने के नाम पर 2.35 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि धोखाधड़ी होने पर टेंशन के कारण एक महिला की मौत हो गई है। महिला के पति गुरविंद्र सिंह ने बताया कि उनके किराए पर 2016 में योगेश, उसकी पत्नी और उसका भाई रहता था। उनका हमारे परिवार के साथ लगाव था. वह जरूरत पड़ने पर उनसे रुपये लेते रहते थे। एक दिन योगेश ने बताया कि उनके जानकार अमेरिका में रहते हैं वह उन्हें अमेरिका की नागरिकता दिला देंगे। इसके लिए तीन करोड़ रुपये खर्च आएगा। परिवार उसकी बातों में आ गया। उन्होंने 2018 से अरोपी को रुपए देने शुरू कर दिए। अब तक आरोपी उनसे 2.35 करोड़ रुपए ले चुका है, जिसमें से 1.90 करोड़ रुपए आनालइन दिए गए थे। उन्होंने आरोप से नागरिकता के बारे में पूछा तो वह टालता रहा। इसके बाद उन्होंने रुपये मांगे तो उसने 800 ग्राम सोने के गहने दे दिए, जो नकली पाए गए। आरोपी है कि करोड़ों की धोखाधड़ी के कारण गुरविंद्र की पत्नी हरप्रीत कौर बीमार हो गई और फिर उसकी मौत हो गई।

मेट्रो एंकर
कोलकाता में कार्यक्रम रद्द होने पर बागेश्वर पीठाधीश्वर का ममता को लेकर बयान ...

जब तक 'दीदी' हैं, नहीं जाएंगे बंगाल, दादा आएंगे तब होगी हनुमंत कथा: धीरेन्द्र शास्त्री

रायपुर, एजेंसी

बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने 'ममता बनर्जी' का नाम लिए बगैर कहा कि जब तक वहां दीदी हैं हम पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। जब दादा आएंगे तब वहां जाकर कथा करेंगे। वे कोलकाता में आगामी दिनों में आयोजित श्री हनुमंत कथा कैसिंल होने को लेकर मंच से बात कर रहे थे। धीरेंद्र शास्त्री ने यहाँ कथा के दौरान मंच से यह बयान दिया। इसके बाद उन्होंने एक वीडियो जारी कर कोलकाता में कथा कैंसिल होने की जानकारी देते हुए खेद जताया। उन्होंने कहा कि उनकी हनुमंत कथा कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को प्रस्तावित थी, जिसे बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। कथा को किसी अन्य स्थान पर अनुमति नहीं दी जा रही है जिसके चलते स्थगित करना पड़ा।

बता दें धीरेंद्र शास्त्री अपनी बेबाकी और कटाक्ष के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने कथा कोलकाता की कथा निरस्त होने के बाद ममता बनर्जी का नाम लिए बगैर कहा कि अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमको मना कर दिया। वे नाम लेना नहीं चाहते, सबको समझ आ गया होगा किसकी बात कर रहे हैं। उन्होंने कथा की परमिशन ही कैंसिल हो गई। दूसरी जगह परमिशन नहीं मिल रही है। अब जब वहां दादा आएंगे हम तब कथा करने जाएंगे।

दीदी बनी रहें, लेकिन बुद्धि ठीक रहे

अपनी बात कहने के बाद उन्होंने दूसरा कटाक्ष करते हुए कहा कि भगवान करे कि दीदी बनी रहें, उनसे हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन भगवान उनकी बुद्धि ठीक रखे। धर्म के खिलाफ न जाएं। धीरेंद्र शास्त्री से किसी ने सवाल किया कि अब वे क्या कहेंगे तो उन्होंने कहा कि 'थैंक्यू बोल देना हमारा' हालांकि उन्होंने स्पष्ट करते हुए बताया कि वे किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष या विरोध में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में हैं। हिंदुत्व के पक्ष में थे और रहेंगे। पंडित शास्त्री ने रायपुर में धर्म को लेकर एक और महत्वपूर्ण बात कही कि सिर्फ घंटी बजाना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफ आवाज़ उठाना भी धर्म है। उन्होंने प्रण लिया कि जब तक उनके तन में प्राण हैं, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

बीकानेर में मालगाड़ी के 37 डब्बे पटरी से उतरे

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान के बीकानेर जिले में अजमेर जा रही एक मालगाड़ी डिरेल हो गई और ट्रेन के करीब 37 डब्बे पटरी से उतर गए। कई डब्बे पटरी से उतरकर दूर जा गिरे और कइयों के पहिए निकल गए हैं। मालगाड़ी में सवार सभी रेल कर्मचारी सुरक्षित हैं। इस दुर्घटना की वजह से रेल यातायात ठप हो गया है।

नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 7.30 बजे हुआ है। मौके पर राहत और बचाव की टीमें पहुंच गई हैं। रेल ट्रैक को खाली करने का काम शुरू कर दिया गया है। जोन के हेडक्कार्टर जयपुर से भी स्पेशल रिलीफ ट्रेन रवाना कर दी गई है। हादसा चानी रेलवे स्टेशन के पास हुआ है। इस रेल हादसे के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564